नेशनल प्रेस टाइम्स

नई दिल्ली, शुक्रवार
07 मार्च 2025

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 11, अंक : 07 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/64579

पीएम मोदी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर लखपति दीदी कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

नई दिल्ली। एक सूत्र ने कहा, "यह कार्यक्रम पुलिसिंग के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित करेगा, क्योंकि कानून और व्यवस्था के सभी पहलुओं के साथ-साथ कार्यक्रम की व्यवस्था भी महिला पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा प्रबंधित की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गुजरात के नवसारी में लखपति दीदी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। नवसारी के वानसी-बोरसी में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में 1.1 लाख से अधिक महिलाओं के भाग लेने की उम्मीद है, शेष पेज 2 पर

प्रदेश में महापुरुषों के नाम शुरू होंगी दस योजनाएं

लक्ष्मीबाई से लेकर कबीर-शबरी शामिल

लखनऊ। यूपी में दस योजनाएं 10 महापुरुषों के नाम पर शुरू होंगी। सीएम योगी ने सदन में विशेष रूप से जानकारी दी। इनका जिक्र बजट के दौरान भी हुआ था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट पर चर्चा के दौरान कई महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा की। करीब दस ऐसी योजनाएं महापुरुषों को समर्पित करते हुए सीएम ने कहा कि यह पहल उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर और समरस समाज की दिशा में नई ऊंचाई देगी। इन योजनाओं से कृषि, उद्योग, शिक्षा और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में विकास होगा। साथ ही रोजगार सृजन, महिला सशक्तीकरण और बौद्धिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

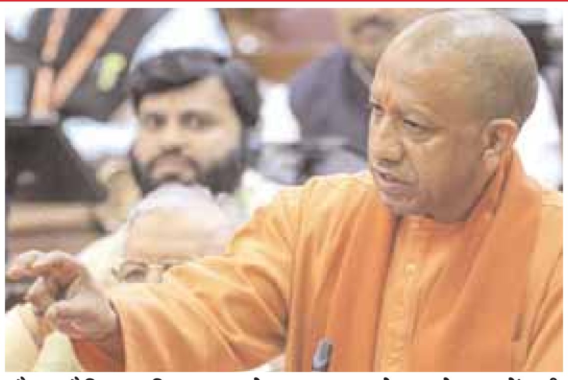

माता शबरी के नाम पर कृषि मंडियों में कैंटीन और विश्रामालय- भक्ति और समर्पण का प्रतीक माता शबरी के नाम पर कृषि मंडियों में कैंटीन और विश्रामालय की स्थापना से किसानों और श्रमिकों को सस्ते दर पर भोजन व आराम की सुविधा मिलेगी। सरकार ने अयोध्या में भी शबरी के नाम पर भोजनालय बनाया है।

सरदार पटेल के नाम पर जनपदीय आर्थिक क्षेत्र-हर परिवार से न्यूनतम एक व्यक्ति को रोजगार से जोड़ने के लिए जनपदीय आर्थिक क्षेत्र रोजगार जोन के रूप में बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जनपद की विशेषताओं और संभावनाओं को देखते हुए 100 एकड़ में पीपीपी मॉडल पर इसका विकास किया जाएगा। यह अनूठी पहल देश के पहले गृहमंत्री सरदार पटेल को समर्पित होगी।

माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर श्रमजीवी महिला हॉस्टल

कामकाजी महिलाओं के लिए वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज, गोरखपुर, कानपुर नगर, झांसी और आगरा में वर्किंग वुमेन हॉस्टल बनेंगे। सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अग्रदूत रहीं अहिल्याबाई के नाम पर ये हॉस्टल उनके 300वें जयंती वर्ष में अर्पित किए जाएंगे।

शेष पेज 2 पर

यूपी में आंतकी गिरफ्तारः महाकुंभ में तबाही की थी योजना

पूछताछ में खौफनाक खुलासा; प्लान सुनकर हिल गई एसटीएफ

लखनऊ। यूपी एसटीएफ को बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के एक आंतकी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला कि महाकुंभ में तबाही की योजना थी। इसके पास जो हथियार बरामद हुए हैं, उसे देखकर टीम के होश उड़ गए।

यूपी एसटीएफ ने गुरुवार को बब्बर खालसा इंटरनेशनल (खालिस्तानी आतंकी संगठन) एवं आईएसआई के माड्यूल के सक्रिय आतंकी को गिरफ्तार किया है। इसे कौशांबी जिले से पकड़ा गया है। इसकी पहचान लजर मसीह पुत्र कुलविंदर के रूप में हुई है। इसके कब्जे से खतरनाक हथियार बरामद हुए हैं। पकड़ा गया आतंकवादी महाकुंभ में हमला करने की योजना बनाकर यहां पहुंचा था।

केंद्रीय एजेंसियों से प्राप्त इनपुट पर काम करते हुए यूपी एसटीएफ को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अपर पुलिस अधीक्षक लाल प्रताप सिंह की टीम ने पंजाब का भगोड़ा एवं बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े खालिस्तानी आतंकी लजर को गिरफ्तार कर लिया है। यह कुरतियां, पोस्ट मकीवल, थाना रामदास, अमृतसर, पंजाब का रहने वाला है।

फर्जी पासपोर्ट बनवाने की फिराक में था

इसके कब्जे से तीन सक्रिय हैंड ग्रेनेड, दो जिलेटिन रॉड, दो सक्रिय डेटोनेटर, एक विदेशी पिस्टल, 13 र&इ विदेशी कारतूस जिंदा, एक मोबाइल (बिना सिम कार्ड) और एक फर्जी पते का आधार कार्ड बरामद हुआ है। बताया गया कि इसने फर्जी अभिलेखों के आधार पर गाजियाबाद से आधार कार्ड बनवाया था।

'कारगिल युद्ध के समय ही क्यों नहीं लिया, क्या हमने उन्हें कभी रोका?', पीओके को वापस लाने पर बोले उमर अब्दुल्ला

जम्मू। केंद्र को चुनौती देते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने सवाल किया कि सरकार केवल पीओके पर ही ध्यान क्यों दे रही है, जबकि जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर चीन के नियंत्रण को नजरअंदाज कर रही है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने की हालिया टिप्पणी पर कटाक्ष किया। उन्होंने इस क्षेत्र को वापस लेने के लिए केंद्र सरकार की मंशा और क्षमता पर सवाल उठाए और साथ ही जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर चीन के नियंत्रण की ओर भी इशारा किया। विधानसभा को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि विदेश मंत्री ने कहा है कि वे पाकिस्तान द्वारा नियंत्रित कश्मीर के हिस्से को वापस लाएंगे। क्या हमने उन्हें कभी रोका?

पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग के भाई गिरफ्तार चंडीगढ़ पुलिस ने विनोद सहवाग को पकड़ा

चंडीगढ़। चंडीगढ़ पुलिस ने भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज पूर्व खिलाड़ी वीरेंद्र सहवाग के भाई को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने विनोद सहवाग को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है। हालांकि विनोद सहवाग के वकील ने जमानत याचिका दायर की है।

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग के भाई को चंडीगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वीरेंद्र सहवाग के भाई विनोद सहवाग को चंडीगढ़ पुलिस की पीओ सेल की टीम ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने उसे चेक बाउंस के मामले में गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी विनोद सहवाग को कोर्ट में पेश किया गया, जहां मौके पर ही उसके अधिवक्ता की तरफ से जमानत याचिका दायर कर दी गई। हालांकि पुलिस ने आरोपी की जमानत याचिका का विरोध किया। इस मामले में अभी फैसला आना बाकी है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग के भाई विनोद सहवाग के खिलाफ चंडीगढ़ जिला अदालत में 7 करोड़ रुपये के चेक बाउंस का केस चल रहा है। ये केस बद्दी की कंपनी श्री नैना प्लास्टिक ने दिल्ली की जाल्टा फूड एंड बेवरेजेस और उनके तीन डायरेक्टर्स विनोद सहवाग, विष्णु मित्तल और सुधीर मल्होत्रा के खिलाफ किया हुआ है। केस में पिछले साल लोअर कोर्ट ने विनोद सहवाग समेत तीनों डायरेक्टर्स को बतौर आरोपी कोर्ट में पेश होने के लिए समन किए थे। लेकिन अब उन्होंने कोर्ट के समनिंग ऑर्डर के खिलाफ सेशंस कोर्ट में रिवीजन पिटीशन फाइल कर दी है। सहवाग के भाई ने रिवीजन पिटीशन में कहा कि उन्हें आरोपी बनाए जाने का फैसला गलत है। वे इस कंपनी में न तो डायरेक्टर हैं और न ही इंप्लॉई। उनका कंपनी के डे टू डे अफेयर्स में भी कोई रोल नहीं है।

ये है पूरा मामला-श्री नैना प्लास्टिक कंपनी के वकील विकास सागर ने बताया कि जाल्टा कंपनी ने उनकी कंपनी से कुछ मैटीरियल सप्लाई करने का ऑर्डर दिया था। ये मैटीरियल लगभग 7 करोड़ रुपये का था। जाल्टा कंपनी ने इसके एवज में जून 2018 को एक-एक करोड़ के 7 बैंक चेक शिकायतकर्ता कंपनी को दिए। लेकिन शिकायतकर्ता कंपनी ने इन चेक्स को अकाउंट में लगाया तो वे फंड्स न होने की वजह से बाउंस हो गए। शिकायतकर्ता कंपनी ने जाल्टा कंपनी को जानकारी दी। लेकिन दो महीने बाद जब चेक क्लीयर नहीं हुए तो कंपनी और डायरेक्टर्स के खिलाफ लीगल नोटिस दिया और 15 दिनों में पेमेंट करने की मांग की। लीगल नोटिस के बाद भी कंपनी ने पेमेंट नहीं दी तो उन्होंने चेक बाउंस का केस फाइल कर दिया।

शेष पेज 2 पर

भाजपा सरकार में आमजन को नहीं मिल पा रहीं बुनियादी सुविधाएं...', मायावती बोलीं- दुर्दशा किसी से छिपी नहीं

लखनऊ। भतीजे आकाश आनंद और उनके ससुर के खिलाफ कार्रवाई करने के बाद बसपा प्रमुख मायावती काफी सक्रिय दिखाई दे रही हैं। अब उन्होंने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर हमला बोला है। आगे पढ़ें और जानें पूरी बात...

यूपी की राजधानी लखनऊ में गुरुवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार यूपी को देश का ग्रोथ इंजन होने का दावा करते नहीं थकती है। लेकिन, आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद यहां लोगों को जो शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी जरूरतें पूरा नहीं हैं। उनकी जो दुर्दशा है वो किसी से छिपी नहीं है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि केंद्र की तरह उत्तर प्रदेश सरकार के पास भी धन की कमी नहीं है। लेकिन, इसका इस्तेमाल यहां के गरीब लोगों के हित, कल्याण और उनके जीवन सुधार में सही से नहीं हो रहा।

शेष पेज 2 पर

भैयाजी जोशी पर दर्ज हो देशद्रोह का केस'

उद्धव का हमला; बावनकुले ने फ्रर नेता का किया बचाव

मुंबई। महाराष्ट्र में आरएसएस नेता सुरेश भैयाजी जोशी की तरफ से मराठी भाषा को लेकर दिए गए बयान पर राजनीति चरम पर है। तमाम विपक्षी नेताओं से आगे बढ़कर शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने उनके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

महाराष्ट्र की प्रमुख विपक्ष दल शिवसेना (यूबीटी) के मुखिया उद्धव ठाकरे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता भैयाजी जोशी के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग की है। बता दें कि, एक कार्यक्रम में बोलते हुए सुरेश भैयाजी जोशी ने कहा था कि, 'मुंबई आने वाले लोगों को मराठी सीखने की जरूरत नहीं है, उन्होंने यह भी कहा कि गुजराती 'मुंबई के घाटकोपर इलाके की भाषा है।' इस पर टिप्पणी करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा, 'भैयाजी जोशी के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए।'

वहीं इससे पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जोर देकर कहा कि मुंबई और पूरे राज्य की भाषा मराठी है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा, 'मुंबई, महाराष्ट्र और राज्य सरकार की भाषा मराठी है और यहां रहने वाले लोगों को इसे सीखना चाहिए।

शेष पेज 2 पर

बिहार | नेता प्रतिपक्ष पर उपमुख्यमंत्री का तंज, कहा-

बचपन में पढ़े नहीं, क्रिकेट में पानी ही ढोते रह गए बेचारे

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि कुछ लोग गलतफहमी फैलाने में लगे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने इसी सदन में भ्रम फैलाया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यह नहीं बताया कि इनके पिताजी ने क्या क्या किया? आइए जानते हैं...

नेता प्रतिपक्ष ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर जमकर हमला बोला था। उस वक्त सीएम नीतीश कुमार ने उनके सवालों का जवाब दिया था। अब बजट पर चर्चा करते वक्त उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तेजस्वी यादव और उनके परिवार पर जमकर हमला बोला है। सम्राट चौधरी ने कहा कि कुछ लोग गलतफहमी फैलाने में लगे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने इसी सदन में भ्रम फैलाया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यह नहीं

सम्राट ने तेजस्वी को लालू राज के बारे में बताया

बताया कि इनके पिताजी ने क्या क्या किया। 2001 में छह हजार रुपये प्रति व्यक्ति आय थी। आज नीतीश कुमार जी नेतृत्व में 66 हजार रुपये प्रति व्यक्ति हो गई। 11 गुना अधिक आय हो चुका है। लालू जी के राज में 1990 से 2005 तक अगर काम होता तो आज सीएम नीतीश कुमार को काम नहीं करना पड़ता। 15 साल तक कोई काम ही नहीं हुआ। केवल नाच, गान और लौंड नाच होता था। कोई विकास की बात ही नहीं थी। बिहार के विकास की चर्चा तक नहीं हो रही थी।

क्रिकेट खेलते वक्त तो पानी ही ढोते रह गए बेचारे

सम्राट चौधरी ने कहा कि वर्तमान में 34 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं। जब सीएम नीतीश कुमार को सत्ता मिली थी तब 54 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे थे। पता नहीं कौन किताब लेकर नेता प्रतिपक्ष आए थे। लालू जी ने तो पढ़ाया नहीं यह बात तो मैं नहीं बताऊंगा। लेकिन, लालू जी का पूरा परिवार किस असत्य में डूबा हुआ है और किस भ्रम में जी रहा है। यह लोग कहते हैं हम सबसे गरीब राज्य हैं। 2001 में तत्कालीन पीएम अटल बिहारी की सरकार ने बिहार को लगभग साढ़े सात हजार करोड़ रुपये दिया। नेता प्रतिपक्ष ने सदन में असत्य फैलाया। पता नहीं कौन-कौन सा डाटा और किस किताब की रिपोर्ट वह पढ़ रहे हैं। बचपन में पढ़े नहीं और क्रिकेट खेलते वक्त तो पानी ही ढोते रह गए बेचारे।

शेष पेज 2 पर

किस-किस को मिलेंगे 2500, हो गया तय!: दिल्ली सरकार ने तय किए मानक, ऐसे होगा रजिस्ट्रेशन; लगेंगे ये दस्तावेज

परिवार की तीन लाख की आय या इनकम टैक्स न देने वाली महिला हो सकती

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली । महिलाओं को 2500 रुपये देने की दिल्ली सरकार की योजना का फायदा अभी बीपीएल परिवारों को ही मिलेगा। वहीं वह कामकाजी महिलाएं भी इसकी पात्र होंगी, जो इनकम टैक्स नहीं देती हैं। इसके अलावा दूसरी किसी सरकारी योजना का लाभ न लेने वाली महिलाएं भी योजना के दायरे में आएंगी।

योजना के मानक तैयार

अधिकारियों ने बताया कि भाजपा सरकार की महिला समृद्धि योजना के मानक तैयार हैं। महिला दिवस पर इसकी शुरूआत हो सकती है। पहचान आसान होने से योजना की शुरूआत बीपीएल कार्ड धारक परिवारों की महिलाओं से होगी। बाद में इसका विस्तार किया जाएगा। योजना पूरी तरह लागू होने पर करीब 20 लाख महिलाओं को इसका फायदा होगा। अधिकारी बताते हैं कि अभी आवेदन प्रक्रिया का तरीका पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। जल्द ही इसका प्रारूप भी तैयार कर लिया जाएगा।

ऐसे करवाया जा सकता है पंजीकरण

अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली सरकार की मौजूदा कई योजनाओं की अपनी बनी-बनाई प्रक्रिया है। इसके लिए सरकार का ई-डिस्ट्रिक पोर्टल काम कर रहा है। आवेदक इस पर अपना यूजर आईडी बनाकर प्रक्रिया की शुरूआत कर सकते हैं। यूजर आईडी और पासवर्ड से लॉग-इन करते ही दिल्ली सरकार के सभी विभागों की योजनाओं और सेवाओं के लिए आवेदन का विकल्प खुल जाता है। महिला समृद्धि योजना के लिए सरकार ने इस विकल्प को ज्यादा कारगर माना है। संभव है कि इस तरीके से इस योजना के लिए भी पंजीकरण करवाया जाए।

पोर्टल पर मिलती है सरकार की सभी योजनाओं का फायदा

दिल्ली सरकार की सभी योजनाओं के लिए ऑनलाइन पंजीकरण इसी पोर्टल पर होता है। इसमें ड्राइविंग लाइसेंस समेत किसी तरह का बदलाव, शादी का सर्टिफिकेट बनवाना, जाति प्रमाण पत्र समेत दूसरी सरकारी सेवाओं के दस्तावेज बनवाए जा सकते हैं।

तेज हवा बंद, अब चढ़ेगा पारा... सप्ताहांत तक दिखने लगेगा बदलाव

नई दिल्ली । दिल्ली में बीते दिनों हुई हल्की बारिश व तेज हवाएं चलने से मौसम काफी सुहावना बना हुआ है। सुबह व शाम की सर्दी का अहसास हो रहा है। तापमान में भी ज्यादा बढ़ोतरी देखने को नहीं मिली। लेकिन अब मौसम बदलने वाला है।

दिल्ली-एनसीआर में दो दिनों से चल रही तेज सतही हवाएं अब बंद हो गई हैं। इस कारण अब तापमान में बढ़ोतरी होनी शुरू होगी। वीकेंड तक अधिकतम तापमान 31 डिग्री के पार जाने की संभावना है। जबकि अगले सप्ताह के मध्य तक अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16-18 डिग्री के बीच पहुंच जाएगा। यह इस सीजन का सबसे अधिकतम तापमान हो जाएगा।

दिल्ली में बीते दिनों हुई हल्की बारिश व तेज हवाएं चलने से मौसम काफी सुहावना बना हुआ है। सुबह व शाम की सर्दी का अहसास हो रहा है। तापमान में भी ज्यादा बढ़ोतरी देखने को नहीं मिली। बीते एक हफ्ते में केवल तीन मार्च को ही तापमान 30 डिग्री के पार गया था। वहीं बृहस्पतिवार दोपहर तक तेज हवाएं चलीं जिससे तापमान कुछ ज्यादा नहीं बढ़ा। अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 28.4 और न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री कम 12.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जबकि बुधवार को अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अब दो दिन तापमान में हल्की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी लेकिन उसके बाद तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होगी।

10 मार्च के बाद तो अधिकतम तापमान 31-33 और न्यूनतम तापमान 16-18 डिग्री के बीच पहुंच जाएगा। 11 मार्च को तापमान 33-35 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। अमूमन 7 से 11 मार्च के बीच अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज होता है। नौ मार्च को एक पश्चिमी विक्षोभ दस्तक दे रहा है। इससे मौसम में खास परिवर्तन नहीं होगा। हालांकि हवा की दिशा बदलने से तापमान में बढ़ोतरी होगी।

आज का तापमान

अधिकतम तापमानः 28.4 डिग्री सेल्सियस

न्यूनतम तापमानः 12.2 डिग्री सेल्सियस

7 मार्च को सूर्यास्तः शाम 6:25 मिनट

08 मार्च को सूर्योदयः सुबह 6:39 मिनट

मादीपुर में पकड़े गए दो बांग्लादेशी, ठिकाने की तलाश में थे दोनों, जानें क्यों आए थे भारत

नई दिल्ली । दिल्ली के मादीपुर में छिपने के लिए नए ठिकाने की तलाश कर रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने पकड़ा है। दोनो को निर्वासित कर दिया गया है। दोनों वर्क वीजा पर भारत आए थे और वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में चोरी छिपे रह रहे थे। पकड़े गए बांग्लादेशियों की पहचान सजल मियां और मोहम्मद अली के रूप में हुई है।

कर रहे थे ठिकाने की तलाश - पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि पुलिस अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चला रही है। इसी दौरान बुधवार को पंजाबी बाग थाना पुलिस को दो संदिग्धों के बारे में जानकारी मिली। सूचना पर मादीपुर चौकी पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ करने पर पता चला कि दोनों बांग्लादेशी नागरिक हैं। वह फिलहाल मदनपुर खादर इलाके में रहते हैं और खुद को छिपाने के लिए वह इस इलाके में ठिकाने की तलाश में आए थे।

नहीं मिला कोई काम- पुलिस अधिकारी ने बताया कि छानबीन करने पर पता चला कि पिछले साल सितंबर और दिसंबर माह में दोनों तीन माह के वर्क वीजा पर भारत आए थे। काफी तलाश के बावजूद इन्हें कोई काम नहीं मिला। इस दौरान इनकी वीजा अवधि खत्म हो गई।

12 बांग्लादेशियों को किया जा चुका निर्वासित- आरोपियों ने बताया कि खुद को छिपाने के लिए वह नए ठिकाने की तलाश में पश्चिमी दिल्ली आए थे। पुलिस ने दोनों नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद दोनों को पुलिस ने विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय में पेश किया। जहां से दोनों को निर्वासित करने का आदेश दिया गया। पुलिस ने दोनों को निर्वासित करने की प्रक्रिया के लिए हिरासत केंद्र में भेज दिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पश्चिम जिला पुलिस ने बांग्लादेशी नागरिकों की तलाश के लिए चलाए गए अभियान के तहत छह हजार लोगों का सत्यापन कर चुकी है। जिसमें अब तक पुलिस ने 12 बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें निर्वासित कर चुकी है।

पेज एक का शेष...

प्रदेश में महापुरुषों के नाम शुरू होंगी दस योजनाएं

महारानी लक्ष्मीबाई मेधावी छात्रा स्कूटी योजना–रानी लक्ष्मीबाई भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की अमर वीरांगना थीं। उनके नाम पर मेधावी बालिकाओं को स्कूटी देने की योजना शुरू की गई है।

संत कबीरदास के नाम पर सीएम मित्र पार्क योजना–मानवता और श्रम की महत्ता का प्रचार करने वाले महान संत कबीरदास के नाम पर 10 टेक्सटाइल पार्क स्थापित होंगे। इससे प्रदेश के कपड़ा उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। पहले लखनऊ- हरदोई में निमार्णाधीन पीएम मित्र पार्क को भी योगी कैबिनेट ने संत कबीर को ही समर्पित किया था।

चर्मोद्योग पार्क संत रविदास के नाम पर–समाज में समानता और श्रम की प्रतिष्ठा के पक्षधर संत रविदास के नाम पर प्रदेश में दो लेदर पार्क स्थापित किए जाएंगे, जिनमें से एक आगरा में होगा। यह योजना चर्म उद्योग को नई दिशा देने के साथ–साथ हजारों कारीगरों और श्रमिकों को रोजगार देगी।

लखनऊ में सीड पार्क भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के नाम पर–पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न चौधरी चरण सिंह के नाम पर लखनऊ में सीड पार्क स्थापित किया जाएगा, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज और कृषि संबंधी संसाधन उपलब्ध होंगे।

नगरीय क्षेत्रों में पुस्तकालय भारत रत्न अटल बिहारी के नाम पर–भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मशताब्दी वर्ष मना रही सरकार ने अटल जी के नाम पर प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में पुस्तकालय बनाने के लिए भी बजटीय प्रावधान किया है।

भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर छात्रावास–भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर समाज कल्याण छात्रावासों के पुनर्निर्माण और नव निर्माण की योजना से दलित, पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को शिक्षा में सहायता मिलेगी।

बिरसा मुंडा को समर्पित दो जनजातीय संग्रहालय–धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के 150 वें जन्मवर्ष को जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मना रही सरकार ने मिजार्पुर और सोनभद्र में उनके नाम पर दो जनजातीय संग्रहालय स्थापित करने की योजना बनाई है। इसके लिए बजट में धनराशि का प्रावधान किया गया है।

पीएम मोदी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर लखपति दीदी कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

जहां सभी व्यवस्थाएं महिला पुलिसकर्मियों और कर्मचारियों द्वारा प्रबंधित की जाएंगी।

ये जानकारी सूत्रों से मिली है।

एक सूत्र ने कहा, "यह कार्यक्रम पुलिसिंग के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित करेगा, क्योंकि कानून और व्यवस्था के सभी पहलुओं के साथ–साथ कार्यक्रम की व्यवस्था भी महिला पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा प्रबंधित की जाएगी।

सूत्रों ने बताया कि कुल 2,165 कांस्टेबल, 187 इंस्पेक्टर, 61 सब–इंस्पेक्टर, 19 डीएसपी, पांच डीएसपी, एक पुलिस महानिरीक्षक और एक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सभी महिलाएं) समग्र कार्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेंगे और इसके सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेंगे।

भाजपा सरकार में आमजन को नहीं मिल पा रहीं बुनियादी सुविधाएं...'

यह काफी चिंताजनक बात है।

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा, "उत्तर प्रदेश में 4 बार मेरे नेतृत्व में रही सरकार ने सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति का ऐतिहासिक सुधार जमीन पर उतारकर दिखाया है...वैसे तो वर्तमान में चल रही उत्तर प्रदेश सरकार यूपी को देश का ग्रोथ इंजन होने का दावा करते हुए मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मेरे नेतृत्व में चार बार सरकार रही। हमने सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति का एतिहासिक सुधार जमीन पर उतारकर दिखाया। वर्तमान में चल रही भाजपा सरकार में लोगों को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं।

'कारगिल युद्ध के समय ही क्यों नहीं लिया, क्या हमने उन्हें कभी रोका?', पीओके को वापस लाने पर बोले उमर अब्दुल्ला

अगर वे इसे वापस ला सकते हैं, तो उन्हें अभी ऐसा करना चाहिए।

केंद्र को चुनौती देते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने सवाल किया कि सरकार केवल पीओके पर ही ध्यान क्यों दे रही है, जबकि जम्मू–कश्मीर के कुछ हिस्सों पर चीन के नियंत्रण को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने पूछा, "एक हिस्सा पाकिस्तान के पास है, लेकिन दूसरा हिस्सा चीन के पास है – कोई इस बारे में बात क्यों नहीं करता?" उन्होंन सवाल किया कि कारगिल युद्ध के समय पीओके को क्यों नहीं लिया? वहीं, भाजपा विधायक एवं विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने पलटवार करते हुए तहा कि जब सरकार पीओके को वापस लेने की योजना बनाएगी तो उमर अब्दुल्ला से सलाह नहीं ली जाएगी।

पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने वाले विधायकों पर कटाक्ष करते हुए शर्मा ने कहा कि ऐसे मामले सदन के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। उन्होंने कहा, "यह संसद का अधिकार क्षेत्र है और उन्होंने अतीत में भी इस पर काम किया है। अटल बिहारी वाजपेयी ने भी प्रयास किया था।" वाजपेयी के दौर और मौजूदा भाजपा के बीच समानताएं बताने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की आलोचना करते हुए शर्मा ने कहा, "भाजपा एक विचारधारा वाली पार्टी है। हमारी विचारधारा तब भी वही थी जो आज है।"

यूपी में आंतकी गिरफ्तारः महाकुंभ में तबाही की थी योजना

उसी के माध्यम से फर्जी पासपोर्ट बनवाने की फिराक में था।

पूछताछ में पता चला कि आतंकी लजर पाकिस्तान में बैठे तीन आईएसआई एजेंटों के संपर्क में है। वह आर्म्स हेरोइन की तस्करी के मामले में जेल गया था। जेल के अंदर गैंगवार में इसे चोट लग गई थी। इलाज के लिए गुरू नानकदेव हास्पिटल, अमृतसर में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में पुलिस को चकमा देकर 24 सितंबर 2024 को फरार हो गया था। मारे गए थे तीन आंतकी–यह पता चला कि 23 दिसंबर 2024 को यूपी की पीलीभीत और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीम ने तीन खालिस्तानी आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। मारे गए आतंकियों से भारी मात्रा में असलहों की बरामदगी हुई थी। उनके द्वारा पंजाब में कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया गया था।

गुरपतवंत सिंह पन्नू ने दी थी धमकी–इस घटना से खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू खिसिया गया था। उसने महाकुंभ प्रयागराज में आतंकी हमला करने की धमकी दी थी। उसी योजना के तहत लजर यहां पहुंचा था। इसे एसटीएफ टीम ने गिरफ्तार कर लिया है।

भैयाजी जोशी पर दर्ज हो देशद्रोह का केस'

मराठी राज्य की संस्कृति और पहचान का हिस्सा है और इसे सीखना हर नागरिक का कर्तव्य है'। मुख्यमंत्री के बयान के बाद सदन में शिवसेना (यूबीटी) और भाजपा सदस्यों के बीच विधानसभा में तीखी बहस देखने को मिली। सीएम ने आगे कहा कि हमारी सरकार अन्य भाषाओं का सम्मान करती है, लेकिन कोई भी अपनी भाषा से प्यार करता है तो उसे दूसरी भाषा को भी सम्मान देना चाहिए।'

विवाद के कारण बाधित हुई विधानसभा की कार्यवाही

मराठी भाषा के मुद्दे पर सत्तारूढ़ भाजपा और शिवसेना (यूबीटी) के बीच बहस के बाद महाराष्ट्र विधानसभा को आज पांच मिनट के लिए स्थगित कर दिया गया। इस मामले में कांग्रेस नेता नाना पटोले ने महाराष्ट्र में किसान संकट और बेरोजगारी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए भैयाजी जोशी की आलोचना की। नाना पटोले ने कहा, 'यह उनकी सरकार है, यह आरएसएस की सरकार है। आज महाराष्ट्र में किसानों की फसलें सूख रही हैं। क्या आरएसएस इस पर सरकार को सुझाव नहीं दे सकता?'।

आदित्य ठाकरे ने राज्य को बांटने का लगाया आरोप–आरएसएस नेता की इस टिप्पणी पर शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने उन पर महाराष्ट्र को बांटने और इसकी भाषाई और सांस्कृतिक पहचान का अनादर करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, 'हम लगातार देख रहे हैं कि कोश्यारी से लेकर कोरटकर और सोलापुरकर तक – सभी महाराष्ट्र, महाराष्ट्र के नायकों और महाराष्ट्र के देवताओं का अपमान कर रहे हैं। अगर आप इन सभी को देखें तो उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले का अपमान किया है। आज सुरेश भैयाजी जोशी ने मराठी का अपमान किया है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मैं उन्हें तमिलनाडु या गुजरात में ऐसा कुछ कहने की चुनौती देता हूं। लेकिन केवल इसलिए कि वह महाराष्ट्र को विभाजित करना चाहते हैं, वह आ रहे हैं और ऐसा कर रहे हैं। यह संघ की सोच है।'

भैयाजी जोशी ने क्या दिया था बयान?–राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेता सुरेश भैयाजी जोशी ने अपने बयान में कहा था कि, 'मुंबई में एक नहीं, कई भाषाएं हैं, मुंबई के हर हिस्से की अपनी अलग भाषा है, घाटकोपर इलाके की भाषा गुजराती है। इसलिए अगर आप मुंबई में रहते हैं या फिर यहां आना चाहते हैं तो यह जरूरी नहीं है कि आपको मराठी सीखनी पड़े।

विवाद के बाद फ्तर नेता ने दी सफाई–इस मामले में विवाद बढ़ने पर भैयाजी जोशी ने कहा, मराठी मेरी मातृ भाषा है और मुझे इस पर गर्व है। उन्होंने आगे कहा कि, मराठी महाराष्ट्र की भाषा है और मुंबई की भी, इसमें कोई दो राय नहीं है। मुंबई में कई भाषाएं बोलने वाले लोग मिल–जुलकर रहते हैं। उन्होंने कहा, यह उम्मीद की जाती है कि बाहर से आने वाले और अन्य भाषाएं बोलने वाले लोग मराठी भी समझें। आरएसएस नेता ने कहा कि घाटकोपर कार्यक्रम में उनकी टिप्पणी को गलत तरीके से समझा गया।

बावनकुले ने किया बचाव, कांग्रेस ने पूछा सवाल–इधर महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने विधान परिषद में कहा कि मराठी पर महाराष्ट्र सरकार की नीति स्पष्ट है, राज्य में रहने वालों को भाषा जाननी और सीखनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि, भैयाजी जोशी के बयान को गलत तरीके से पेश किया गया, उन्होंने कहा कि मराठी मुंबई और महाराष्ट्र की भाषा है। वहीं कांग्रेस नेता भाई जगताप ने कहा कि यह दुखद है कि आरएसएस के एक जिम्मेदार व्यक्ति ने ऐसी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, 'हमारा संकल्प मराठी भाषा की रक्षा करना है।' उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या सरकार इस तरह के बयानों को बढ़ावा दे रही है।

सरकार के बयान से असंतुष्ट विपक्ष ने किया वॉकआउट– एनसीपी (एसपी) के शशिकांत शिंदे ने जानना चाहा कि क्या भैयाजी जोशी की टिप्पणी मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की चाल है और क्या कोई इसे बढ़ावा दे रहा है। शिंदे ने कहा, 'क्या इसके पीछे कोई एजेंडा है? यह मराठी भाषा का अपमान है। मराठी भाषा को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। मराठी को चुनौती देने वालों के खिलाफ सरकार क्या सख्त कदम उठा रही है।' विपक्षी नेताओं ने भी कहा कि वे बावनकुले के जवाब से संतुष्ट नहीं हैं और उन्होंने सदन से वॉकआउट कर दिया।

पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग के भाई गिरफ्तार चंडीगढ़ पुलिस ने विनोद सहवाग को प

सहवाग के भाई ने ली थी जमानत – पहले तो लोअर कोर्ट ने विनोद सहवाग समेत तीनों आरोपियों को बतौर आरोपी पेश होने के लिए समन किए थे, लेकिन इसके बावजूद वे कोर्ट नहीं पहुंचे। इस पर कोर्ट ने उनके बेलेबल और फिर नॉन बेलेबल वॉरेंट ऑफ अरेस्ट इश्यू किए। इसके बाद भी जब वे कोर्ट नहीं पहुंचे तो उनके खिलाफ भगौड़ा करार दिए जाने की प्रक्रिया (पीओ प्रोसिडिंग) शुरू कर दी गई। फिर 22 जुलाई 2019 को विनोद सहवाग कोर्ट पहुंचे और उन्हें 2 लाख रुपये की श्योरिटी पर जमानत दी गई थी। इसके बाद उन्होंने अक्टूबर 2019 को समनिंग ऑर्डर को सेशंस कोर्ट में चैलेंज किया।

बचपन में पढ़े नहीं, क्रिकेट में पानी ही ढोते रह गए बेचारे

खेलने का भी मौका नहीं मिला। पूरी क्रिकेट काल में मात्र 37 रन ही बनाया था। इतना दिन क्रिकेट खेलने के बाद मात्र 37 रन ही बना पाए, इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा?

नीतीश कुमार का समर्थन नहीं होता तो लालू मुख्यमंत्री नहीं बनते– उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि यह लोग सिर्फ भ्रम फैलाने वाले लोग हैं। प्राथमिक विद्यालय में ड्रॉप रेट छह से 26 प्रतिशत है। लालू जी के राज में 60 प्रतिशत था। यह लोग कभी विकास की बात ही नहीं करते थे। यह लोग हारने वाले लोग हैं। अगर भाजपा और सीएम नीतीश कुमार का समर्थन नहीं होता तो लालू यादव मुख्यमंत्री नहीं बनते। लेकिन, मुख्यमंत्री बनते ही वह बदल गए। 1996 में जब उनपर केस हुआ तो उस वक्त उनके ही समर्थन वाले दल के प्रधानमंत्री थे। 1997 में जब रिक्शा से जेल तब भी उनके ही पीएम आई के गुजराज थे। इसलिए बिहार के विकास में लालू जी या उनके विकास में किसी का कोई योगदान नहीं है।

कुंभ जल-प्रसाद का बागपत में हो गया वितरण शुरू

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बागपत। बागपत की सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था केटी विंग ने घर-घर निशुल्क कुंभ जल और प्रसाद पहुंचाने के अभियान के तहत गांव-गांव, घर-घर कुंभ जल-प्रसाद पहुंचाना शुरू कर दिया है।

4 मार्च को केटी विंग के संस्थापक के टी भैया ने खुद अपने हाथों से कुंभ जल और प्रसाद को बागपत के श्रद्धालुओं को उनके घर पहुंचाकर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कुंभ जल-प्रसाद पाकर बागपतवासी श्रद्धा से भर गए और खुद को सौभाग्यशाली और धन्य महसूस कर रहे हैं।

श्रद्धालुओं ने कहा कि घर बैठे कुंभ का जो पुण्य प्राप्त हुआ है उसकी खुशी शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती। इस पुण्य कार्य के लिए के टी विंग के संस्थापक के टी भैया का उन्होंने आभार जताया। इस अवसर पर के टी भैया ने कहा कि निशुल्क कुंभ जल प्रसाद पहुंचाने का जो शुभ कार्य के टी विंग को दिया था वो आसान नहीं था। महाकुंभ में आ रही भारी भीड़ और जिस तरह की घटनाएं वहां हुईं उससे तो एक बार यह कार्य असंभव सा लगने लगा। लेकिन के टी विंग और उससे जुड़े कार्यकताओं ने इस असंभव कार्य को भी संभव बना दिया।

दिगंबर जैन कॉलेज, बड़ौत के सप्त दिवसीय शिविर के दूसरे दिन हुआ जन जागरूकता अभियान

सुरेंद्र मलानिया

बड़ौत/बागपत- दिगंबर जैन कॉलेज, बड़ौत में चल रहे सप्त दिवसीय शिविर के दूसरे दिन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रथम छात्र इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार तथा चतुर्थ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हिमांशु बंसल ने दीप जलाकर शिविर की शुरूआत की। कार्यक्रम में खेल विभाग के प्रोफेसर डॉ. के. जी. पांडे भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

डॉ. के. जी. पांडे ने छात्रों को संबोधित करते हुए दैनिक जीवन में अनुशासन और व्यक्तित्व विकास के महत्व पर जोर दिया। इसके बाद डॉ. सुरेश कुमार ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने की आवश्यकता पर अपने विचार रखे, जबकि डॉ. हिमांशु बंसल ने इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट और जल प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर छात्रों को जागरूक किया।

इसके बाद छात्र अलग-अलग टोली बनाकर खाला पार बस्ती और ईदगाह बस्ती पहुंचे, जहां उन्होंने दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या विरोध और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर जन जागरूकता रैली निकाली। छात्रों ने स्थानीय लोगों को इन सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूक किया और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संदेश दिया।

शिविर के अंत में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. महेश कुमार मुछाल ने छात्रों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और उनके प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें समाज सेवा के प्रति प्रेरित किया।

यह शिविर आगामी दिनों में भी विभिन्न सामाजिक और शैक्षणिक गतिविधियों के साथ जारी रहेगा।

महंत ने की अबू आजमी पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग

बोले- समर्थन करने वालों पर भी हो कार्रवाई

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। महाराष्ट्र के सपा नेता व विधायक अबू आजमी के बयान पर विवाद थम नहीं रहा है। हिंदू संगठनों के लोग सपा नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बरेली के सर्वदेव साईं मंदिर के महंत पंडित सुशील पाठक ने कहा कि अबू आजमी के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा होना चाहिए। साथ ही, अबू आजमी के बयान का समर्थन करने वालों पर भी कार्रवाई की मांग की।

पंडित सुशील पाठक ने कहा कि औरंगजेब ने हजारों हिंदुओं की हत्या की थी। ब्राह्मणों के जनेऊ जलवाए थे और सैकड़ों मंदिरों को तोड़ा था। ऐसे व्यक्ति की तारीफ करना देशद्रोह है। उन्होंने कहा कि अबू आजमी की विधानसभा सदस्यता रद्द करनी चाहिए और देशद्रोह का मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

मौलाना शहाबुद्दीन पर भी साधा निशाना

सुशील पाठक ने कहा कि अबू आजमी के बयान का समर्थन करने वाले मौलानाओं के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर तारीफ करनी है तो अशफाक उल्ला खां की तारीफ करनी चाहिए। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।

पुलिस चौकी से 500 मीटर दूर पार्क में मिला श्रमिक का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

गाजियाबाद । इंदिरापुरम में अभयखंड चौकी से महज 500 मीटर की दूरी पर स्थित ग्रीन पार्क एक में बृहस्पतिवार सुबह करीब सात बजे युवक का शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान खोड़ा थानाक्षेत्र के लोकप्रिय विहार में रहने वाले मोहम्मद जलाल (26) के तौर पर हुई।

इंदिरापुरम में अभयखंड चौकी से महज 500 मीटर की दूरी पर स्थित ग्रीन पार्क एक में बृहस्पतिवार सुबह करीब सात बजे युवक का शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान खोड़ा थानाक्षेत्र के लोकप्रिय विहार में रहने वाले मोहम्मद जलाल (26) के तौर पर हुई। वह मूलरूप से बिहार के पुर्णिया का रहने वाला था।

पांच मार्च की शाम करीब पांच बजे वह खाना खाकर घर से निकला था। उसके बाद से घर ही नहीं लौटा। छह मार्च की सुबह पांच बजे परिवार वालों ने तलाश शुरू की। करीब सात बजे उसका शव पार्क में पड़ा मिला। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से चल पाएगा। फिलहाल परिजनों की ओर से कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई है।

अब गर्मी की मोहताज नहीं रही बीयर, जानें सर्दी के सीजन में कितने करोड़ की शराब और बीयर पी गए मेरठवासी

मेरठ । गर्मियों में गला तर करने के लिए मुफीद समझी जाने वाली बीयर अब सर्दियों में भी पसंद की जा रही है। मेरठ में नवंबर 2024 में 12 करोड़ 27 लाख, दिसंबर में आठ करोड़ 46 लाख और इस साल जनवरी में आठ करोड़ 80 लाख रुपये की बीयर लोग पी गए। सुरा का सुरूर जिले के शौकीनों के सिर चढ़कर बोल रहा है। आरटीआई से मिली जानकारी में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। पिछले लगभग दो साल में जिले के लोग 1910 करोड़ की शराब पी गए। इस बार सर्दियों में भी बीयर की खूब बिक्री हुई। हर महीने 35 करोड़ तक की अंग्रेजी शराब शौकीन खरीद रहे हैं। नवंबर, दिसंबर और जनवरी माह में ही 29 करोड़ की बीयर लोगों ने खरीदी। देसी शराब ने बिक्री के मामले में इस बार भी अंग्रेजी शराब को पीछे छोड़ दिया है। शराब से सरकार को हर महीने केवल मेरठ से ही 70 से 80 करोड़ रुपये का राजस्व मिल रहा है। मिशन कंपाउंड (देवनगर) निवासी मनोज चौधरी ने आरटीआई के तहत देशी, विदेशी शराब और बीयर की बिक्री को लेकर आरटीआई (सूचना का अधिकार) के अंतर्गत जानकारी मांगी। जिला आबकारी अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह की ओर से खपत के साथ ही राजस्व में बढ़ोतरी के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें बताया गया कि एक जनवरी 2023 से 31 दिसंबर 2023 तक देशी शराब की 1.63 करोड़ बोतल बिकीं। इसी अवधि में अंग्रेजी शराब की 83 लाख बोतले और दो करोड़ बीयर केन बिके।

फ्रॉड कर करोड़ों का लोन लेने वाली 'टीचर गिरफ्तार.

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। दो पैन कार्ड और फर्जी कागजात से तीन करोड़ रुपये का लोन लेने वाली एमबी इंटर कॉलेज की निलंबित शिक्षिका वंदना वर्मा को विगत दिवस थाना प्रेमनगर पुलिस ने डीडीपुरम से उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शिक्षिका को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

बदायूं के थाना सिविल लाइंस के मोहल्ला आदर्शनगर निवासी अमित कुमार ने एसएसपी अनुराग आर्य से शिकायत कर अपनी पत्नी वंदना वर्मा के खिलाफ प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि उनकी पत्नी ने जन्मतिथि में अंतर करके दो पैन कार्ड और दो आधार कार्ड फर्जी तरीके से बनवाए हैं और अपने असली नियुक्ति पत्र से अपने गिरोह के लोगों के फर्जी नियुक्ति पत्र तैयार किए हैं। उसने बैंक ऑफ बड़ौदा की विकास भवन और पुराना शहर, यूनियन बैंक की प्रेमनगर, भारतीय स्टेट बैंक की कुर्मांचल नगर और गदरपुर उत्तराखंड की शाखाओं से फर्जी तरीके से तीन करोड़ रुपये का लोन लिया।

डीआईओएस ने शिकायत पर विभागीय जांच कराई, जिसमें वह दोषी पाई गई थी। इसकी जांच रिपोर्ट डीआईओएस कार्यालय में सौंपी गई और वंदना को निलंबित कर दिया गया लेकिन उसके खिलाफ कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। अमित की शिकायत और एसएसपी के निर्देश पर थाना प्रेमनगर पुलिस ने वंदना वर्मा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। इंस्पेक्टर प्रेमनगर आशुतोष रघुवंशी ने बताया कि आरोपी शिक्षिका को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

एनएचएआई नहीं बदलेगा फैसला, फरीदपुर के उद्योग संकट में 40 को नोटिस

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। उद्यमियों के भारी विरोध के बावजूद एनएचएआई ने फरीदपुर औद्योगिक क्षेत्र में सर्विस लेन बनाने का अपना फैसला बदलने से इन्कार कर दिया है। एनएचएआई अफसरों ने साफ किया है कि वे हाईवे की जद में आ रहे उद्योगों और दूसरे व्यावसायिक संस्थानों को नोटिस देना जारी रखेगा। फिलहाल अवैध कब्जे हटाने की मोहलत दी जा रही है। इसके बाद उन्हें हटाकर सर्विस लेन का निर्माण शुरू करा दिया जाएगा। एनएचएआई के इस कदम से औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित करीब दो सौ उद्योग संकट में घिर गए हैं।

लखनऊ हाईवे पर फरीदपुर औद्योगिक क्षेत्र कई साल पहले निजी भूमि पर स्थापित किया गया था। अब यहां दो सौ से ज्यादा उद्योग चल रहे हैं। उद्योगों के अलावा कई स्कूल और दूसरे व्यावसायिक संस्थान भी इस इलाके में स्थापित हैं। कई जगह हाईवे तक भारी अतिक्रमण भी है। एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक उद्योगों और व्यावसायिक संस्थानों में आवाजाही के लिए हाईवे पर तमाम मीडियन कट खुले हुए हैं जिनकी वजह से इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हादसे होते हैं। एनएचएआई मुख्यालय के निदेशों के मुताबिक अब हाईवे पर अवैध कब्जों को हटाकर सर्विस रोड बनाने की तैयारी शुरू की गई है। फिलहाल उद्योगों और व्यावसायिक संस्थानों को नोटिस जारी किए जा रहे है अब तक कई फैक्ट्रियों समेत 40 नोटिस जारी किए गए हैं। करीब डेढ़ सौ नोटिस और जारी किए जाने हैं।

प्यूचर यूनिवर्सिटी के शिक्षा ए,आई समिट में शामिल हुए उच्च शिक्षा मंत्री

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय, फ्यूचर यूनिवर्सिटी, में गुरुवार को एᳵअक रᳵ३ 2025 का आयोजन किया गया। यह शिखर सम्मेलन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) आधारित शिक्षा प्रणाली और उसके संभावित प्रभावों पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समिट में बोलते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि ए आई एजुकेशन से शिक्षा जगत में क्रांतिकारी परिवर्तन होंगे। उनसे पूर्व वाइस चांसलर डॉक्टर पंकज मिश्रा ने ए आई के बारे में पूर्ण जानकारी दी।

इस अवसर सांसद छत्रपाल गंगवार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं अन्य विधायक एमएलसी जिला पंचायत अध्यक्ष सहित कई अन्य जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और तकनीकी विशेषज्ञों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस शिखर सम्मेलन का कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह दावा किया कि फ्यूचर यूनिवर्सिटी देश की पहली ऐसी यूनिवर्सिटी है जो अक आधारित शिक्षा प्रणाली को अपनाने जा रही है।

होली पर रहेगी कड़ी सुरक्षा, ड्रोन से की जाएगी छतों की निगरानी.

बवाल किया तो खैर नहीं, एसएसपी

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। होलिका दहन और रंगोत्सव के मौके पर बरेली जिले में सुरक्षा बंदोबस्त दुरुस्त करने की पूरी तैयारी कर ली गई है। एसएसपी ने राजपत्रित अधिकारियों के साथ हुई बैठक में 80 होली जुलूस निकालने के दौरान जिम्मेदारी तय की है। हर थाना क्षेत्र में एक ड्रोन ऑपरेटर को पुलिस के साथ संबद्ध किया है। जिले में ड्रोन की मदद से छतों के पत्थर व भीड़ को देखा जाएगा।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि जिले में कुल 2900 स्थानों पर होलिका दहन होगा। जबकि 80 जुलूस के लिए बॉक्स फार्मेशन में ड्यूटियां लगाई जा रही हैं। साथ ही छतों पर भी ड्यूटी लगाई जा रही हैं। पुलिसकर्मी छतों व गलियों की स्थिति देखने को ड्रोन की भी मदद लेंगे।

एसएसपी ने बताया कि क्षेत्र में 75 इंस्पेक्टर, 500 दरोगा, 500 मुख्य आरक्षी, 1100 आरक्षी व महिला आरक्षी की होली पर लगातार तैनाती रहेगी। थानों पर पीस कमेटी के सदस्यों को भी जिम्मेदारी दी गई है। एसएसपी ने बताया कि किसी ने अफवाह फैलाने की कोशिश की तो तत्काल गिरफ्तारी कर जेल भेजा जाएगा।

मैनपुरी में भाकियू भानू से एड0 अमित जौहरी को जिला महामंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी।

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मैनपुरी – भारतीय किसान यूनियन (भानु)के नवनियुक्त युवा जिलाध्यक्ष कन्हैया कुलश्रेष्ठ(एड.)और वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष गोल्डी गौतम को नगर के भांवत रोड स्थित एक मैरिज होम पर स्वागत किया गया। जिसमें एड0 अमित जौहरी को जिला महामंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।

प्रदीप कश्यप को जिला सचिव,शिवानी चौहान को विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष,मोनिका सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष और आशु गौर को सदस्य पद की सदस्यता दिलाई गई।

युवा जिलाध्यक्ष कन्हैया कुलश्रेष्ठ ने कहाकि किसानों की समस्याओं का समाधान और उनके हक के लिए लड़ाई लड़ना ही उनका एकमात्र उद्देश्य है। भाकियू भानु लगातार किसानों की आवाज को बुलंद कर रहा है। किसानों का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष गोल्डी गौतम ने कहाकि किसानों को खाद, पानी, बीच की किल्लत न हो। उनकी समस्याओं को समय पर निस्तारण कराया जाये।

एड.अमित जौहरी ने कहाकि किसानों के सम्मान के साथ समझौता बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

इस अवसर पर जिला सचिव प्रदीप कश्यप, विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष शिवानी चैहान, प्रदेश उपाध्यक्ष मोनिका सिंह, सदस्य आशु गौर, पंकज यादव, पूनम राठौर, दीपक चैहान, प्रभात कुशवाह, राजन चैहान, टीटू चैहान, अतुल चैहान,प्रभात कुशवाह,आकाश सचिन यादव,एड.विकास नंदन कुलश्रेष्ठ,एड.आलोक यादव,जतिन चौहान,राकेश राजपूत, गौरव अग्निहोत्री, आदि प्रमुख रुप से मौजूद रहे।

आयुषमान के 2.81 लाख मामलों में साल भर से भुगतान लंबित

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। आरटीआई के तहत दी गई जानकारी के मुताबिक आयुष्मान भारत योजना के तहत बरेली मंडल में 2,81,615 केसों का भुगतान करीब साल भर से फंसा हुआ है। इनमें से 1,42,295 केस अकेले बरेली जिले के हैं। आईएमए बरेली इनके करीब दो सौ करोड़ का भुगतान सरकार पर बकाया बताया जा रहा है।

मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर से अंकित कुमार नाम के शख्स ने आरटीआई के जरिए सूचना मांगी थी कि आयुष्मान भारत योजना से जुड़े प्रदेश भर के अस्पतालों का कितना भुगतान लंबित है।

मंत्रालय की ओर से 28 फरवरी को इसका जवाब दिया है। इसके अनुसार बरेली जिले में 1,42,295, पीलीभीत के 55,608, शाहजहांपुर के 49,305 और बदायूं के 34,407 केसों का भुगतान करीब साल भर से लंबित है। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि आयुष्मान योजना का लंबित भुगतान कब किया जाएगा, इस संबंध में शासन से अभी कोई आदेश नहीं मिला है।

उधर, आईएमए बरेली के अध्यक्ष डॉ. आरके सिंह का कहना है कि आरटीआई के जरिए करीब बरेली में करीब डेढ़ लाख केसों का भुगतान लंबित है। अनुमानित तौर पर दो करोड़ से ज्यादा का बकाया हो चुका है। भुगतान न होने से डॉक्टरों में काफी गुस्सा है। उन्हें आर्थिक दिक्कतों से भी जूझना पड़ रहा है।

संपादकीय

सार्थक संवाद से सुलझेंगी किसानों की समस्याएं

भारतीय किसान यूनियन के एक घटक द्वारा चंडीगढ़ में नये सिरे से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन की सख्ती से बुधवार को सामान्य जीवन व यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। चंडीगढ़ से लगते इलाकों में पुलिस के अवरोधों के चलते वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। पुलिस आंदोलनकारियों से निबटने के लिये सख्त बनी रही और कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया। चंडीगढ़ के अनेक प्रवेश मार्गों को सील किया गया था और भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुरू हुए आंदोलन से उपजे हालात पर आम लोग कहते रहे कि जाम किसानों की तरफ से है या सरकार की तरफ से। दरअसल, पंजाब जो लंबे समय से कृषि क्षेत्र में उदार दृष्टिकोण रखने वाला राज्य रहा है, तंत्र की संवेदनहीनता और शासन की सख्ती के चलते अशांत नजर आता है। भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार, जिसे कभी बदलाव का अग्रदूत कहा जाता था, अब खुद को प्रमुख हितधारकों- किसानों, राजस्व अधिकारियों और नौकरशाही के साथ उलझी हुई पा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि कहां कमी रही कि कृषि क्षेत्र अशांत बना हुआ है। समय रहते किसानों की मांगों को पूरा न किए जाने और कारगर समाधान के लिये परामर्श न मिल पाने से निराश किसान यूनियनों ने नये सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जिसकी परिणति ह्लचंडीगढ़ चलो मार्चह्ल के रूप में सामने आई है। किसान नेता आरोप लगा रहे हैं कि किसानों की समस्याओं के समाधान पर संवेदनशील रवैया अपनाने के बजाय दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। जिसे वे देर रात छापेमारी करके किसान नेताओं की गिरफ्तारी और चंडीगढ़ की सीमाएं सील करने के रूप में देख रहे हैं। किसान नेता आरोप लगा रहे हैं कि मुख्यमंत्री मान ने किसानों की बैठक में से नाटकीय ढंग से वॉकआउट करके अपनी हताशा को ही जाहिर किया है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री का कहना है कि पंजाब में किसान संगठनों में आंदोलन करने की होड़ मची है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि पंजाब धरनों का राज्य बनता जा रहा है। उनका कहना है कि सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जोरदार जंग लड़ रही है। सरकार ने किसानों के हितों की रक्षा के लिये तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों सहित पंद्रह राजस्व अधिकारियों को निलंबित किया है। साथ ही अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन न करने वाले कई अन्य अधिकारियों का तबादला किया गया है। जिसके विरोध में राजस्व अधिकारियों ने तल्ख प्रतिक्रिया व्यक्त की। जिसके प्रत्युत्तर में राजस्व अधिकारियों ने सामूहिक अवकाश लेने का विकल्प चुना। जिसके चलते प्रशासनिक काम बुरी तरह प्रभावित हुआ। हालांकि, बुधवार शाम उन्होंने अपनी हड़ताल वापस ले ली है। वैसे एक हकीकत यह भी है कि भले ही सरकार सख्त रवैया अपनाते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई के जरिये अपनी ताकत दिखा सकती है, लेकिन प्रणालीगत भ्रष्टाचार और नौकरशाही की नाराजगी की गहरी गुत्थी अभी भी अनसुलझी है। सवाल उठाया जा रहा है कि सरकार की यह सख्ती क्या हताशा का पर्याय है? वहीं प्रशासन का तर्क है कि लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शन से बड़े निवेशक पंजाब में निवेश करने से कतरा रहे हैं। जिससे राज्य का आर्थिक विकास बाधित हो सकता है। लेकिन सवाल यह भी कि कृषि प्रधान राज्य क्या किसानों के हितों की अनदेखी कर सकता है? जिस तरह से लंबे समय से आंदोलनरत किसानों की मांगों के प्रति उदासीनता दर्शायी जा रही है, उससे किसानों की लोकतांत्रिक भागीदारी को लेकर चिंताएं पैदा होती हैं। निश्चित रूप से किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन के दमन से सामाजिक विभाजन और गहरा होता है। दरअसल, पंजाब का संकट सिर्फ हड़ताली अधिकारियों या फिर विरोध करने वाले किसानों को लेकर ही नहीं है। यह असंतोष शासन की रीति-नीतियों पर भी सवाल उठाता है जो आंदोलनकारियों से सहज संवाद की कला को खोता प्रतीत हो रहा है। निश्चित रूप से अपने राज्य के लोगों के साथ सख्ती का व्यवहार तंत्र की नाकामी को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से निराशाजनक वातावरण को यथाशीघ्र दूर करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

पंजाब-किसानों का उबाल दमन नहीं, संवाद से थमेगा

आप सरकार द्वारा जिस तरह से लंबे समय से आंदोलनरत किसानों की मांगों के प्रति उदासीनता एवं उपेक्षा दर्शायी जा रही है, उससे किसानों की लोकतांत्रिक भागीदारी को लेकर चिंताएं पैदा होती हैं। निश्चित रूप से किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन के दमन से सामाजिक विभाजन और संघर्ष की स्थितियां ही गहराती है, आन्दोलन एवं विद्रोह भावना भड़कती है। दरअसल, पंजाब का संकट सिर्फ हड़ताली अधिकारियों या फिर विरोध करने वाले किसानों को लेकर ही नहीं है। यह असंतोष शासन के दोगलेपन, रीति-नीतियों, झूठे आश्वासनों एवं छलपूर्ण कार्यप्रणाली से जुड़ा है। ये स्थितियां न केवल किसान आंदोलनकारियों से सहज संवाद की कला को खोती हुई प्रतीत हो रही है, बल्कि जिसने पंजाब को नशे का जंगल बना दिया है, आतंकवाद को पनपने दिया एवं महिलाओं को नाराज किया है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी की नाकामयाबियां, अप्रभावी प्रशासन कौशल, असंवाद, हठधर्मिता एवं दमनात्मक कदमों से अराजकता एवं अशांति का वातावरण उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है आप सरकार के पाप का घड़ा भर चुका है, जनता, किसान एवं अधिकारी सभी कोई त्रस्त एवं परेशान है। इसकी निष्पत्ति के रूप में सामने आ रहा है किसानों का आन्दोलन एवं आम जनता का अंतोष। ये वे ही किसान है जिनको भड़काकर, गुमराह करके एवं गलत दिशाओं में धकेल कर आप पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने केन्द्र सरकार के सामने जटिल स्थितियां पैदा की, दिल्ली की जनता का सुख-चैन छीना था एवं खुद किसानों का मसीहा बनने का प्रयास किया था। अब उन्हीं किसानों की समस्याओं को सुनने की बजाय उन पर सख्त दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। नौ सौ चूहे खाय बिल्ली हज को चली कहावत को चरितार्थ करने वाली आप सरकार के लिये पंजाब एक जटिल समस्या एवं चुनौती बनकर खड़ी है। जैसी करनी वैसी भरनी-यही हश्र हो रहा है आप सरकार की कथनी और करनी में फर्क की राजनीति का। पंजाब की आप सरकार पहले किए गए कई चुनावी वादों को पूरा करने नाकाम रही है, हालांकि, नाटकीयता के प्रति उसकी प्रवृत्ति के अलावा, सभी चुनावी वादे एवं घोषणाएं काफी हद तक असफल रही है। पंजाब में मान सरकार के खिलाफ नाराज किसानों ने मोर्चा खोल दिया है, चंडीगढ़ चलो मार्च के लिए कूच करने वाले किसानों को भले ही पुलिस ने रोक दिया, चंडीगढ़ की सभी सीमाओं पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी हो और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया हो। लेकिन बातचीत की बजाय ऐसे

दमनात्मक तरीकों से किसान अधिक भडकेंगे। सवाल यह है कि कृषि प्रधान राज्य क्या किसानों के हितों की अनदेखी कर सकता है?

पंजाब में हालात अनियंत्रित, जटिल, अराजक एवं अशांत होते जा रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन के एक घटक द्वारा चंडीगढ़ में नये सिरे से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन की सख्ती से बुधवार को सामान्य जीवन व यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। चंडीगढ़ से लगते इलाकों में पुलिस के अवरोधों के चलते वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। जिन हालातों को दिल्ली की जनता ने लम्बे समय तक झेला, वे ही हालात अब पंजाब के हो रहे हैं। पुलिस आंदोलनकारियों से निबटने के लिये सख्त एवं आक्रामक बनी रही और कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया। चंडीगढ़ के अनेक प्रवेश मार्गों को सील किया गया था और भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। सवाल उठाया जा रहा है कि आप सरकार की यह सख्ती क्या हताशा का पर्याय है या समस्याओं से निपटने में उसकी नाकामी को दशार्ता है? बड़ी-बड़ी आदर्श की बातें करने वाली आप पार्टी का दोगला चरित्र ही उजागर हो रहा है। भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप पार्टी की सरकार, जिसे कभी बदलाव का अग्रदूत एवं जन-जन का सच्चा हितैषी माना जाता रहा है, अब खुद को प्रमुख हितधारकों- किसानों, राजस्व अधिकारियों और नौकरशाही के साथ उलझी हुई पा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि किसानों का सबसे बड़ी हितैषी मानने वाली सरकार आज किसानों की दुश्मन कैसे हो गयी? कृषिभूमि पंजाब को कैसे अशांत होने दिया जा रहा है?

आप सरकार द्वारा जिस तरह से लंबे समय से आंदोलनरत किसानों की मांगों के प्रति उदासीनता एवं उपेक्षा दशार्यी जा रही है, उससे किसानों की लोकतांत्रिक भागीदारी को लेकर चिंताएं पैदा होती हैं। निश्चित रूप से किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन के दमन से सामाजिक विभाजन और संघर्ष की स्थितियां ही गहराती है, आन्दोलन एवं विद्रोह भावना भड़कती है। दरअसल, पंजाब का संकट सिर्फ हड़ताली अधिकारियों या फिर विरोध करने वाले किसानों को लेकर ही नहीं है। यह असंतोष शासन के दोगलेपन, रीति-नीतियों, झूठे आश्वासनों एवं छलपूर्ण कार्यप्रणाली से जुड़ा है।

ये स्थितियां न केवल किसान आंदोलनकारियों से सहज संवाद की कला को खोती हुई प्रतीत हो रही है, बल्कि जिसने पंजाब को नशे का जंगल बना दिया है, आतंकवाद को पनपने दिया एवं महिलाओं को नाराज किया है। निश्चित रूप से अपने राज्य के लोगों के साथ सख्ती का व्यवहार एवं झूठे वायदों ने तंत्र की नाकामी को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से निराशाजनक वातावरण को यथाशीघ्र दूर करने के प्रयास किए जाने चाहिए, अन्यथा पंजाब की अशांति एवं अराजकता प्रांत को न केवल आर्थिक मोर्चे पर बल्कि सुशासन के मोर्चे पर धराशाही कर देगी।

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुरू हुआ किसान आंदोलन अब उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। इस आन्दोलन से उपजे हालात से जनजीवन अस्तव्यस्त हो रहा है। जाम की बड़ी समस्या पर आम लोग कह रहे कि जाम किसानों की तरफ से है या सरकार की तरफ से। दरअसल, पंजाब जो लंबे समय से कृषि क्षेत्र में उदार दृष्टिकोण एवं हरित क्रांति वाला राज्य रहा है, तंत्र की संवेदनहीनता और शासन की आक्रामकता के चलते अब अशांत नजर आ रहा है। समय रहते किसानों की मांगों को पूरा न किए जाने और कारगर समाधान के लिये परामर्श न मिल पाने से निराश किसान यूनियनों ने नये सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जिसकी परिणति चंडीगढ़ चलो मार्च के रूप में सामने आई है।

किसान नेता आरोप लगा रहे हैं कि किसानों की समस्याओं के समाधान पर संवेदनशील रवैया अपनाने के बजाय दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। जिसे वे देर रात छापेमारी करके किसान नेताओं की गिरफ्तारी और चंडीगढ़ की सीमाएं सील करने के रूप में देख रहे हैं। अपनी हार एवं नाकामयाबियों से बौखलायी आप सरकार अधिकारियों को निलंबित एवं तबादलें कर रही है, जिससे किसानों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों में भी गहरा असंतोष सामने आ रहा है, वे भी तल्ख प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं। राजस्व अधिकारियों ने सामूहिक अवकाश लेने के विकल्प चुनकर सरकार की समस्याओं को बढ़ा दिया है।

पंजाब में आप सरकार की चुनौतियां बढ़ती जा रही है। आम लोग अब बार-बार होने वाले प्रदर्शनों, धरनों और नाकेबंदियों से ऊब चुके हैं। आप शासन की खामियां ही उजागर हो रही हैं, अधूरे वादों, कानून-व्यवस्था या आर्थिक चुनौतियों जैसे मुद्दों पंजाब की शांति को लील रहे हैं। भगवत मान छल और झूठ की राजनीति करते हुए अपने हर वादे से मुकर रहे हैं। दरअसल, केजरीवाल भ्रष्टाचार के विरोध में आन्दोलन के योद्धा के रूप में भारतीय राजनीति में चमके और दिल्ली के साथ पंजाब में उनकी सरकार बनी। दिल्ली में उनकी सत्ता जा चुकी है। पंजाब की स्थितियां उसके लिये खासी चुनौतीपूर्ण व जोखिमभरी बनती जा रही हैं। भले ही मान सरकार अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हो, लेकिन वह अपने प्रदेश को, अपने पैरों की जमीन को एवं राजनीतिक मूल्यों को नहीं पहचान रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? आप के शीर्ष नेताओं के लिये पहले श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है।

कैसे आप की राजनीति एवं शासन-व्यवस्था इस शर्म के साथ जनता से मुखातिब होगी? कैसे पंजाब को समस्याओं से मुक्ति देगी? पंजाब के किसानों का उबाल दमन से नहीं, सार्थक संवाद से ही थमेगा।

नई व्यापार रणनीति से मुकाबले की कोशिश, टैरिफ वॉर

अमेरिका के टैरिफ वॉर के मुकाबले के लिए भारत की नई द्विपक्षीय व्यापार वार्ताएं एक असरकार हथियार है। भारत के लिए ट्रंप की चुनौतियों के बीच वैश्विक कारोबार के नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। इससे भारत को वैश्विक निर्यात में भी बढ़त मिल सकती है।

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा और मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीन के आयात पर भी 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ प्रभावी किए जाने के बाद इन देशों ने भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाए हैं। इससे नया ट्रेड वॉर शुरू हो गया है। अब भारत भी टैरिफ वृद्धि के मद्देनजर अमेरिका के निशाने पर है। जहां भारत में अमेरिकी टैरिफ से टेक्सटाइल, दवाई, ऑटोमोबाइल, इस्पात, एल्युमीनियम और सेमीकंडक्टर जैसे सेक्टर्स में चिंताएं हैं, वहीं हमारे शेयर बाजार के दोनों सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बड़ी गिरावट के दौर में हैं।

ऐसे में भारत अमेरिका के लिए उपयुक्त टैरिफ रियायतों की नई रणनीति के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं की ट्रंप की टैरिफ मार से मुकाबला करने को सुनियोजित रूप से आगे बढ़ रहा है। खास बात यह भी है कि जहां अमेरिका से निर्मित टैरिफ चुनौतियों के बीच अब भारत को निर्यात के नए मौके मिलने की उम्मीद है, वहीं ट्रंप की नीति से भारत को चीन प्लस वन के रूप में दुनिया के वैश्विक व्यापार में तेजी से बढ़ने का मौका भी मिलते हुए दिखाई दे सकेगा। चार मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया का हर देश भारत के साथ आर्थिक कारोबारी साझेदारी मजबूत करना चाहता है। हमारे उद्योग-कारोबार क्षेत्र को नए मौके हासिल करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए।

दरअसल, ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट और रेसिप्रोकल टैरिफ की नीति के कारण दुनिया में तेजी से आर्थिक और कारोबारी उठापटक चल रही है। नया व्यापार युद्ध शुरू हो गया है। वैश्विक व्यापार नए सिरे से दोबारा स्थापित होने जा रहा है। विश्व व्यापार संगठन अब मुख्य स्तम्भ के रूप में नहीं बचा है और सबसे पसंदीदा राष्ट्र (एमएफएन) के दर्जे के तहत गैर-भेदभावपूर्ण शुल्क खत्म हो रहे हैं। ऐसे में भारत ने रणनीतिपूर्वक एक अप्रैल से प्रभावी होने वाले वर्ष 2025-26 के बजट में अमेरिका से आने वाली वस्तुओं जैसे महंगी मोटरसाइकिल,

सैटेलाइट के लिए ग्राउंड इंस्टॉलेशन और सिंथेटिक फ्लेवरिंग एसेंस जैसे कुछ सामानों पर शुल्क घटा दिए हैं। साथ ही मित्र देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की ऐसी नई रणनीति पर आगे बढ़ा है, जिसमें मित्र देशों को पर्याप्त रियायतें भी हैं।

इसी परिप्रेक्ष्य में विगत 28 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग (ईयू) की प्रेसिडेंट उर्सला वोन लेयेन ने दोनों पक्षों के बीच कारोबार एवं आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए मुक्त व्यापार समझौता को लेकर जारी किंतु-परंतु को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। दोनों नेताओं ने प्रतिबद्धता जताते हुए अपने संबंधित मंत्रालयों को निर्देश दिया कि दोनों पक्षों के हितों के मुताबिक भारत-ईयू व्यापार समझौते पर इस वर्ष 2025 के अंत तक मुहर लगाई जाए। उल्लेखनीय है कि विगत 13 फरवरी पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के बीच हुई वार्ता के दौरान द्विपक्षीय कारोबार को वर्ष 2030 तक 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा है।

पिछले माह फरवरी में भारत के दौरे पर आए ब्रिटेन के व्यवसाय व कारोबार मंत्री जोनाथन रेनाल्ड्स ने कहा कि व्यापारिक समझौते का उद्देश्य पांच से छह वर्षों में द्विपक्षीय कारोबार को तीन गुना करना है। इसी तरह अमेरिका और ब्रिटेन के साथ भी मुक्त व्यापार व निवेश समझौते को इसी साल 2025 में पूर्ण किए जाने के मद्देनजर भी भारत ने रणनीति तय की है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका, यूरोपीय आयोग और ब्रिटेन इन तीनों का भारत के कुल द्विपक्षीय वैश्विक कारोबार में एक-तिहाई से भी ज्यादा का हिस्सा है। निश्चित रूप से इस समय ट्रंप के टैरिफ तूफान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं की ऐसी डगर को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं, जो उन्होंने तीसरे कार्यकाल से ही लगातार आगे बढ़ाना शुरू किया है।

निस्संदेह, अमेरिका के टैरिफ वार के मुकाबले के लिए भारत की नई द्विपक्षीय व्यापार वार्ताएं भारत का एक असरकार हथियार है। भारत के लिए ट्रंप की चुनौतियों के बीच वैश्विक कारोबार के नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। एक ओर अमेरिका में भारत के निर्यात बढ़ सकते हैं, वहीं दूसरी ओर भारत को वैश्विक निर्यात में भी बढ़त मिल सकती है। अब चीन पर अमेरिका द्वारा भारी टैरिफ लगाने से जिन क्षेत्रों में चीन अमेरिका को प्रमुखता से निर्यात करता है, उनमें से कई क्षेत्रों में अमेरिका को भारत अपना निर्यात सरलता से बढ़ा सकता है। इन क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल उपकरण, मोबाइल फोन, फुटवीयर, टेक्सटाइल और गार्मेंट्स, फर्नीचर और घर के सजावटी सामान, वाहनों के कल पुर्जे, खिलौने और रसायन आदि शामिल हैं।

इस परिप्रेक्ष्य में भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में पहुंच बढ़ाने के लिए वर्ष 2025-26 के बजट में स्वीकृत किया गया एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन अहम भूमिका निभाएगा। इतना ही नहीं, ट्रंप के रुख और नीति से भारत को चीन प्लस वन के रूप में दुनिया के वैश्विक व्यापार में तेजी से बढ़ने का मौका भी मिलते हुए दिखाई दे रहा है। चीन में मैन्यूफैक्चरिंग करने वाली कई विदेशी कंपनियां भी भारत का रुख कर सकती हैं। ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट की रणनीति की तर्ज पर भारत में भी प्रधानमंत्री मोदी इंडिया फर्स्ट की रणनीति को तेजी से आगे बढ़ाकर घरेलू उद्योग कारोबार और अर्थव्यवस्था को तेजी से बेरोकटोक आगे बढ़ाने के मौके को मुट्ठी में ले सकते हैं।

होली पर आठ से 18 मार्च तक पूरे प्रदेश में चलेंगी अतिरिक्त बसें, कर्मचारियों को मिलेगी प्रोत्साहन राशि

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

लखनऊ। यूपी में होली के मौके पर घर आने और जाने वाले लोगों की सुविधा के लिए आठ मार्च से 18 मार्च तक अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। इसके लिए कर्मचारी पहले से तय हो जाएंगे।

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने होली पर अतिरिक्त बसों को चलाने व इसके लिए प्रोत्साहन योजना के संबंध में निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि होली पर 08 से 18 मार्च तक अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा। गाजियाबाद, दिल्ली व पश्चिमी क्षेत्रों से लोग ज्यादा यात्रा करते हैं। इसको देखते हुए इन क्षेत्रों में बसों व कर्मचारियों की संख्या आवश्यकतानुसार निर्धारित करते हुए पहले से ही तैयारी कर ली जाए।

उन्होंने कहा कि शुरूआती प्वाइंट से 60 प्रतिशत यात्री लोड मिलता है। तो सभी पूर्वी क्षेत्र के अधिकारी होली त्योहार में अतिरिक्त सेवाओं के संचालन की व्यवस्था करें। प्रवर्तन दल लगातार क्षेत्र में रहें और चालकों-परिचालकों का ब्रेथ एनलाइजर टेस्ट कराएं। ताकि यात्रियों को सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की जाए। बसों के कल-पुर्जे, खिड़कियों के शीशे, सीटों की स्थिति अच्छी होनी चाहिए। साथ ही फायर सेफ्टी उपकरण भी बसों में मौजूद हो।

परिवहन मंत्री ने कहा कि त्योहार अवधि में ऐसे चालक-परिचालक जिसमें संविदा तथा आउटसोर्सिंग के चालक-परिचालक शामिल हैं को निर्धारित औसत किमी चलाने पर 350 रुपये प्रति दिवस की दर से एकमुश्त 3500 रुपये विशेष प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाएगा। इन्हें प्रोत्साहन अवधि में औसतन 300 किमी प्रतिदिन संचालन करना होगा। यदि ऐसे कार्मिक 11 दिन की पूरी प्रोत्साहन अवधि तक डयूटी करते हैं और निर्धारित मानक पूरा करते हैं तो 400 रुपये प्रतिदिन की दर से 4400 रुपये प्रोत्साहन देना होगा।

इसके अतिरिक्त संविदा, वाह्य स्रोत चालकों-परिचालकों को प्रोत्साहन अवधि में उपरोक्त निर्धारित मानक से अधिक किमी काम करने पर प्रति किमी 55 पैसे का अतिरिक्त मानदेय दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवधि में 11 दिन लगातार ड्यूटी करने वाले डिपो कार्यशाला व क्षेत्रीय कार्यशाला में कार्यरत कार्मिकों, जिसमें आउटसोर्स कर्मी भी शामिल हैं को एकमुश्त 1800 रुपये दिया जाएगा। इस अवधि में 10 दिन की ड्यूटी करने वाले कार्मिकों को एकमुश्त 1500 रुपये दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रोत्साहन अवधि में अच्छा काम करने वाले कर्मचारियों-अधिकारियों को क्षेत्रीय समिति की संस्तुति के अनुसार प्रोत्साहन राशि देने के लिए सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को 10 हजार रुपये व सेवा प्रबंधकों को 5000 रुपये की राशि भी दी जाएगी। क्षेत्रीय व डिपो स्तर पर प्रोत्साहन अवधि में प्रदेश स्तर पर सर्वाधिक आय प्रति बस प्राप्त करने वाले तीन क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रबंधक व सेवा प्रबंधक तथा 10 डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक को परिवहन निगम द्वारा प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

सांवरे जब तू मेरे साथ है तो डरने की क्या बात है....

श्री श्याम फागुन महोत्सव में रात से लेकर भोर तक झूमे श्याम प्रेमी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मैनपुरी। शहर के नटराज होटल वाली गली स्थित भगवती गार्डन में श्री श्याम भक्त सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित पांचवों श्री श्याम फागुन महोत्सव में देर रात प्रख्यात भजन गायिका अनुष्का-अधिष्ठा व संदीप मस्ताना, अनुराग बंसल ने श्याम भक्तो को झूमने पर मजबूर कर दिया।

भजन संध्या का शुभारंभ आगरा से आए अनुराग बंसल ने गणेश वंदना से की, इसके बाद हनुमान जी की स्तुति की, जय हो पवन कुमार में बारी जाऊं बाला जी...., लहर लहराये रे झण्डा बजरंग बली का...., पहले जयसिया राम बोलो.... आदि भजन सुना कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया।

कन्नौज से आए प्रख्यात भजन गायक संदीप मस्ताना ने श्रीराम जानकी बैठे है मेरे सीने में...., एक मुलाकात जरूरी है किशन...., तुझ बिन बाबा कौन हमारा...., तुम्हारी शरण मिल गई सांवरे तुम्हारी कसम मुझे जिन्दगी मिल गई मुझे...., श्रीराम भी मिलेंगे हनुमान भी मिलेंगे....., सब झूमो नाचो वो आने वाला है हम बाराती बाबा दूल्हा बनने वाला है..., आएगा नीले घोड़े पर चढ़ के....., मेरा श्याम दयालु है.... आदि भजन सुना कर पूरे पंडाल बैठे श्रद्धालुओं को खड़े होकर नृत्य करने पर विवश कर दिया।

इसके बाद मध्य प्रदेश की प्रख्यात भजन गायिका अनुष्का-अधिष्ठा लाल लंगोटों हाथ में सोटो तुम्हारी जय हो पवन कुमार..., वीर हनुमाना अति बलवाना राम-राम जपियो रे प्रभु मन वसियो रे...., मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जायेगें राम आयेगें....,ने अपने निराले अंदाज में सांवरे जब तू मेरे साथ है तो डरने की क्या बात है...., इसके बाद उन्होंने हारा हूँ बाबा पर तुझ पे भरोसा है....., मिट जाऊंगी श्याम तेरी मटकन पे......, पकड़ लो हाथ बनवारी नहीं तो डूब जाउंगा...., श्रोताओं की फरमाइश पर होली खेल रहे बांके बिहारी..., अवध में होली खेले रघुवीरा.... सुनाकर होलीमय माहौल बना दिया। जुल्म कर डारो, सितम कर डारो सुनाकर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया।

इसके उपरांत श्री श्याम भक्त सेवा समिति के पदाधिकारी अध्यक्ष दीपांशू गुप्ता, सचिव सार्थक तिवारी, उपाध्यक्ष साहिल गुप्ता, कोषाध्यक्ष केशव कालरा, कार्यकारिणी सदस्य अभय यादव ,आयुष सक्सेना ,लव मिश्रा ,समीर शर्मा ,अनिरुद्ध वर्मा आदि ने आरती की तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

इस मौके पर सुरेश चंद्र बंसल बीनू, अशोक गुप्ता पप्पू, आशुतोष तिवारी पत्रकार, समाज सेवी लक्ष्मी नारायण तापड़िया,सचिन मिश्रा छोटू आर.बी. प्लाईवुड फरुर्खाबाद, मनीष तापड़िया, दिलीप, राहुल तिवारी, नीतन गुप्ता, संजय खन्ना, राजू, यूवी गुप्ता आदि मौजूद रहे।

मथुरा-वृंदावन में शुक्रवार से शुरू हो जाएगा रंगोत्सव, आठ मार्च को खेली जाएगी लट्ठमार होली

लखनऊ। मथुरा वृंदावन में शुक्रवार से 40 दिन तक चलने वाले रंगोत्सव की शुरूआत होगी। इसके लिए जिला प्रशासन के साथ पर्यटन विभाग की ओर से भी सभी आवश्यक तैयारियां पूरी की गई हैं। मथुरा वृंदावन समेत ब्रज क्षेत्र में होली का पारम्परिक व सांस्कृतिक उत्सव शुरू हो चुका है। इसी क्रम में विश्व प्रसिद्ध लड्डू होली 07 मार्च को खेली जाएगी। इसके बाद लट्ठमार होली 08 मार्च को मनाई जाएगी। इन दोनों आयोजन में शामिल होने देश-विदेश से लोग आने लगे हैं। इसके लिए जिला प्रशासन के साथ पर्यटन विभाग की ओर से भी सभी आवश्यक तैयारियां पूरी की गई हैं। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया प्रदेश सरकार का प्रयास है कि इस अवसर पर आने वाले पर्यटकों को होली के रंग में सराबोर होने का बेहतर अनुभव मिले। इसके लिए ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने पूरी तैयारी की है। मथुरा वृंदावन में 40 दिन तक चलने वाले रंगों के इस त्यौहार को खास बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लड्डू होली के दौरान लाडली जी के मंदिर में रहेंगे। इसके बाद राधा विहारी इंटर कालेज प्रांगण में होली महोत्सव की विधिवत शुरूआत करेंगे। बरसाना की रंगीली गली और राधा रानी के मंदिर में 08 मार्च को होली खेली जायेगी। ब्रज में होली 40 दिन मनाई जाती है। इसकी शुरूआत बसंत पंचमी से होती है। ब्रज की होली रंगो का उत्सव नहीं बल्कि देश की गौरवशाली परम्परा और समृद्धि विरासत का अनूठा त्यौहार है। उन्होंने बताया कि 07 मार्च को बरसाना में लड्डू होली, 08 मार्च को बरसाना में लट्ठमार होली, 9 मार्च नंदगांव में लट्ठमार होली, 10 मार्च वृंदावन में फूलों की होली, 10 मार्च को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंच पर होली व सांस्कृतिक कार्यक्रम, 11 मार्च गोकुल में छड़ीमार होली, 13 मार्च होलिका दहन, 14 मार्च पूरे ब्रज में धुडेली, 15 मार्च दाऊजी और नदगाव में हुरंगा, 18 मार्च मुखरई में चरकुला नृत्य एवं 22 मार्च रंगनाथ मंदिर में होली उत्सव का आयोजन किया जायेगा।

दिव्यांग पति को पीठ पर लादकर सीएमओ ऑफिस पहुंची थी महिला, वीडियो आने डिप्टी सीएम ने की कार्रवाई

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

लखनऊ':रायबरेली में व्हील चेयर न मिलने पर दिव्यांग पति को पत्नी द्वारा पीठ लादकर सीएमओ कार्यालय पहुंचने के इस प्रकरण में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सख्त एक्शन लिया है।

रायबरेली में व्हील चेयर न मिलने पर दिव्यांग पति को पत्नी द्वारा पीठ लादकर सीएमओ कार्यालय पहुंचने के इस प्रकरण को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने गंभीरता से लिया। अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण लखनऊ मंडल को जांच कराने के आदेश दिए। जांच में डॉक्टर समेत दो कर्मचारियों की लापरवाही उजागर हुई। डिप्टी सीएम के आदेश पर सीएमओ ने तीनों पर कार्रवाई की।

सीएमओ कार्यालय में दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनाए जाते हैं। बीते दिनों एक महिला अपने दिव्यांग पति का प्रमाण पत्र बनाने के लिए पहुंची। आरोप है कि सीएमओ कार्यालय में दिव्यांग पति को व्हील चेयर नहीं मिला। नतीजतन पत्नी ने दिव्यांग पति को पीठ पर लाद लिया। दिव्यांग बोर्ड के समक्ष पेश हुई। इस मार्मिक घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ।

नोहझील में घूंघट की ओट में हुरियारिनों ने बरसाईं लाठियां

मथुरा। नौहझील के कस्बे में लठामार होली का आयोजन किया गया। इसे देखने के लिए लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। पुष्प वर्षा के बीच हुरियारे व हुरियारिनों ने भजनों पर नृत्य किया। जगह-जगह पर उनका पटुका पहनाकर स्वागत गया। ठाकुर राधा-श्याम सुंदर मंदिर के तत्वावधान में दोपहर 12 बजे मंदिर से रथ में सवार कर भगवान का डोला निकाला गया। इनमें झांकियों के साथ कृष्ण के सखा के रूप में सजे हुरियारे व राधा की सखियों के रूप में सजीं हुरियारिनों साथ चल रहीं थीं। घूंघट की ओट में लहंगा-चुन्नी ओढ़े व आभूषण पहने हुरियारिनों ने हुरियारों पर जमकर लट्ठ बरसाए। हुरियारिनों से हास-परिहास करते हुए हुरियारे उन्हें छेड़ते रहे और ढालों को आगे करते हुए लाठियों से बचाव करते हुए नजर आए। हुरियारिनों ने अतिथियों और पुलिसकर्मियों पर भी लट्ठ बरसाए, इस पर वे अपना बचाव कर भागते नजर आए। डोला बाजना रोड़, अयोध्या कुंज कॉलोनी, बाजना तिराहा, चामड़ चौराहा, होली चौक, थाना रोड़, द्रोपदी चौक, रेतिया बाजार होते हुए रामलीला मैदान पहुंचा। यहां झाड़ी हनुमानजी मंदिर के महंत रामरतन दास महाराज द्वारा राधाकृष्ण के स्वरुपों का माल्यार्पण कर आरती उतारी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में राधा-कृष्ण के स्वरूपों के साथ फूलों की होली हुई। लठामार होली में पुष्प वर्षा से कस्बे की सड़कें व गलियां पट गईं। आयोजकों द्वारा हुरियारिनों को उपहार दिए गए। सुरक्षा व्यवस्था में थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह व चौकी प्रभारी नौहझील अंकित कुमार मौजूद रहे। अध्यक्ष विनोद शर्मा, चेयरमैन खैर संजय शर्मा, प्रधान प्रशांत गुप्ता, शैलेंद्र चौधरी, बिट्टू जिंदल, राजू गुप्ता, यज्ञदत्त, मोरध्वज अग्रवाल, अनिल शर्मा, रवि सेठ आदि मौजूद रहे

एसडीएम सदर से मिलने पहुंचे अधिवक्ताओं की नोकझोंक

मथुरा। एसडीएम सदर प्रशिक्षु आईएएस रिंकू सिंह राही की राजस्व अधिवक्ताओं से नोकझोंक हो गई। थोड़ी देर में सुलह होने के अब बृहस्पतिवार को बैठक होगी। दरअसल, डीएम सीपी सिंह ने मंगलवार को प्रशिक्षु आईएएस रिंकू सिंह को एसडीएम सदर की जिम्मेदारी दी है। बुधवार को राजस्व अधिवक्ताओं से मुलाकात किए बगैर ही कोर्ट की कार्यवाही प्रारंभ कर दी थी। इससे अधिवक्ता नाराज हो गए और नोकझोंक शुरू हो गई। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के पहुंचने के बाद मामला शांत हुआ। बार अध्यक्ष ने बताया कि मामला शांत हो गया है। अब बृहस्पतिवार को बैठक बुलाने का निर्णय लिया गया है। एसडीएम सदर का कहना है कि अधिवक्ता किसी मामले की सिफारिश लेकर आए थे। अगर कोई शिकायत है तो नियमानुसार ही समस्या का समाधान किया जाएगा।

पुलिस ने नेत्रहीनों को स्कूल से निकालकर पीटा, दान में मिली जमीन को लेकर विवाद

मथुरा के गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में जतीपुरा स्थित एक नेत्रहीन विद्यालय में खाकी ने तांडव किया। पुलिसकर्मियों ने पूजा पाठ करने वाले नेत्रहीनों को स्कूल से बाहर निकालकर सड़क पर पीटा। बुधवार को इसकी शिकायत करने के लिए पीड़ित एसएसपी कार्यालय पहुंचे, लेकिन उनकी मुलाकात नहीं हो सकी। जतीपुरा रोड स्थित रामेश्वर वाली बगीची निवासी नेत्रहीन संजू बाबा ने बताया कि 40 साल पहले गोवर्धन के रहने वाले बाला सेठ ने कुछ जमीन उन्हें दान में दी थी। यहां गिरिराज मंदिर बना है। साथ ही यहीं पर भगवान दास अंध विद्यालय बना है। विद्यालय में नेत्रहीन बच्चों को संगीत आदि की शिक्षा दी जाती है। उन्होंने बताया कि यह जमीन कई बार बिक चुकी है। पिछले काफी दिनों से यहां प्लॉट काटे जा रहे हैं। उन्हें कभी कोई समस्या नहीं हुई, लेकिन चार माह पहले जमीन दान देने वाले बाला सेठ की मृत्यु हो गई। इसके बाद उन्हें जमीन खाली करने के लिए परेशान किया जाने लगा। आरोप है कि बुधवार को थाने से दरोगा, सिपाही और कुछ अज्ञात लोग आए। उन्होंने गाली-गलौज की। यहां तक की नेत्रहीनों को स्कूल से बाहर निकाल दिया और लाठी से पिटाई लगाई। पुलिस के पिटाई से मूलचंद को गंभीर चोट आई। प्रशिक्षु आईपीएस गोल्डी गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने कोई मारपीट नहीं की।

नेत्रहीन जिस जमीन पर रह रहे हैं, उस जमीन का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। मौके पर शांति व्यवस्था देखने के लिए दरोगा और सिपाही गए थे। नेत्रहीन अभी भी अपने स्थान पर काबिज हैं। जो वीडियो दिखाया जा रहा है, उसमें भी पुलिसकर्मी मारपीट करते नहीं दिख रहे हैं।

राधाकुण्ड में उड़ते गुलाल में आभा बिखेरेगा चरकुला नृत्य

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। राधाकुंड में होली में राधारानी की ननिहाल गांव मुखराई का जिक्र न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। यहां के चरकुला नृत्य की चर्चा भारत के साथ अब विदेशों में भी होने लगी है। विदेश में भी यहां के कलाकार चरकुला नृत्य की प्रस्तुति दे आए हैं। इसमें 108 जलते दीपकों को पहिए पर रख गांव मुखराई की गोपीकाएं नृत्य करती हैं। इस बार मुखराई में चरकुला नृत्य का आयोजन 15 मार्च को शाम 8 बजे से किया जाएगा। श्रीकृष्ण की बाल लीला स्थली राधाकुंड से गांव मुखराई 2 किलोमीटर दूर है। यह गांव राधारानी की ननिहाल है। यहीं से चरकुला नृत्य की शुरूआत हुई। वैसे तो चरकुला नृत्य की कथा श्रीराधारानी के जन्म से जुड़ी है।

पर अब यह नृत्य होली महोत्सव का मुख्य हिस्सा बन चुका है। फाग मास की मस्ती में उड़ते रंग-गुलाल, फूलों की पंखुड़ियां के बीच नृत्य की चमक अलग ही आभा बिखेरती है। कथा के अनुसार जब मुखरा देवी ने सुना की उनकी पुत्री कीरत ने श्रीराधारानी को जन्म दिया है तो वह बड़ी प्रसन्न हुईं। खुशी में उन्होंने आंगन में रखे रथ के पहिए पर 108 दीप जलाकर उसे सिर पर रखकर नृत्य किया था। आगे चलकर यही नृत्य चरकुला के रूप में प्रसिद्ध हुआ। हुरियारे लोकगीत जुग-जुग जियो, तुम नाचन हारी गाकर महिलाओं को उत्साहित करते हैं। ब्रज लोक कला फाउंडेशन के निर्देशक दानी शर्मा ने बताया कि इस बार तोती देवी, उर्मिला देवी, प्रभा देवी और पिंकी देवी द्वारा मदनमोहनजी मंदिर से नृत्य के लिए चरकुला उठाया जाएगा।

कोसीकलां में जीएसटी टीम ने लोहा कारोबारियों के प्रतिष्ठानों पर की जांच

मथुरा। कोसीकलां में राज्य कर जीएसटी की टीम ने बुधवार को नगर में दो स्थानों पर लोहा कारोबारियों के प्रतिष्ठानों पर माल के क्रय-विक्रय की जांच की। इससे व्यापारियों में खलबली मच गई है। दोपहर 12 बजे शुरू हुई जांच देर शाम तक जारी रही।जीएसटी विभाग को गोपनीय सूचना मिली थी कि नगर में सरिया व्यापारी बिना बिलों का लेनदेन कर जीएसटी चोरी कर रहे हैं। इसकी जांच के लिए टीम बनाई गई। डिप्टी कमिश्नर प्रतिभा शुक्ला के नेतृत्व में नंदगांव रोड पर स्टील ट्रेडर्स के यहां पहुंची। इस दौरान वह माल का स्टॉक, लेखा पुस्तक आदि की गणना की। टीम यहां करीब एक घंटे तक रुकी। उसके बाद टीम ने अग्रसेन नगर में लोहा व्यापारी के पहुंचकर जांच शुरू कर दी। टीम ने वहां पहुंचकर कार्यालय को अपने कब्जे में ले लिया। व्यापार से जुड़े सभी लेनदेन, बिलिंग और जीएसटी रिटर्न की गहन जांच की गई। कर्मचारियों से पूछताछ के साथ कंप्यूटर और फाइलों को खंगाला गया। सभी तरह की खरीद फरोख्त भी बंद करा दी। इससे वहां काम करने वाले मजदूर इधर-उधर भटकते रहे। 12 बजे से रात 8 बजे तक टीम जांच में जुटी रही। टीम के आने की सूचना पर बाजार में दुकानदार अपनी दुकानों को बंद कर गए। उधर फर्म संचालकों का कहना है कि जीएसटी के अधिकारी अपना काम कर रहे हैं। हमारे सीए आदि जांच में पूरी मदद कर रहे हैं। हमारा काम जांच में सहयोग करना है, हम कर रहे हैं। अनिल कुमार कनौजिया, संयुक्त आयुक्त एसआईबी, मथुरा ने बताया टीम द्वारा फर्मों की जांच की जा रही है। इन फर्मों पर स्टॉक आदि का मिलान किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद कार्रवाई का पूरा ब्योरा दिया जा सकेगा।

सांसद ने की सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरोः जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक गुरुवार को सांसद कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल की अध्यक्षता में कलेक्टरेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें सांसद ने सरकारी योजनाओं व विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में सांसद ने समस्त विभागों द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों से कहा कि क्षेत्र के सतत विकास के लिए कटिबद्ध होकर कार्य करें। लंबित पड़े विकास कार्यों को अगली बैठक के पहले प्रत्येक दशा में सभी पूर्ण कराकर कार्यवाही प्रस्तुत करें। सांसद ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की समीक्षा पर भूमि संरक्षण अधिकारियों को निर्देश दिए कि खेत तालाब योजना का लाभ अधिक से अधिक किसानों को दिलाए तथा खेत तालाब की सूची सदस्यों को भी उपलब्ध कराए। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा में समिति के सदस्यों ने अवगत कराया कि नगर पंचायत मऊ में आवास के लिए आवेदन पर समस्या हो रही है। इस पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने डूडा के अधिकारियों से कहा कि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत मऊ से संपर्क कर इस प्रकरण को निस्तारित कराए। जल जीवन मिशन की समीक्षा पर अधिशासी अभियंता जल निगम ने बताया कि जल जीवन मिशन के कार्यों को तेजी से कराया जा रहा है। साथ ही जिन गांव की गलियों का निर्माण कार्य कर दिया गया है, उन ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानों से प्रमाण पत्र भी लिया जा रहा है तथा जलापूर्ति कराई जा रही है। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि जिन गांवों में जलापूर्ति की सप्लाई कराई जा रही है, उसकी सूची भी सदस्यों को दी जाए। सांसद ने जिलाधिकारी से कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यों की एक समिति बनाकर जांच कराए। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक विकासखंड स्तर पर जल जीवन मिशन के कार्यों के सम्बन्ध में ग्राम प्रधानों से बैठक करके फीडबैक लिया गया है तथा जो कमियां बताई गई है, उन पर जल निगम को निर्देश देकर कार्यो को कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सांसद ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कहा कि शिवरामपुर से सिंहपुर तक नहर की पटरी की सड़क अत्यधिक खराब है, उसको तत्काल ठीक कराया जाए ताकि लोगों का आवागमन सुचार रूप से हो सके। राष्ट्रीय राजमार्ग प्रयागराज के अधिकारियों से कहा कि मोहरवां राजापुर के पुल का निर्माण कार्य तेजी से कराया जाए। कहा कि संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अंतर्गत जो कार्य कराए गए हैं, उसकी सूची भी सभी सदस्यों को उपलब्ध कराए। सांसद ने मंडी समिति कर्वी के अंदर जल भराव फैली गंदगी को अच्छी तरह से साफ कराने को कहा। जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देश दिए कि तत्काल इस कार्य को कराकर अवगत कराए। बैठक का संचालन परियोजना निदेशक डीआरडीए सच्चिदानंद प्रसाद द्वारा किया गया।

इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, ब्लॉक प्रमुख पहाड़ी सुशील द्विवेदी, मानिकपुर अरविंद मिश्रा, रामनगर गंगाधर मिश्रा, समिति के सदस्य द्वारिका सिंह पटेल, सांसद प्रतिनिधि अंकुर सिंह पटेल, मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, संयुक्त विकास आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बांदा अरविंद कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजेश प्रसाद, प्रभागीय वनाधिकारी प्रत्यूष कटियार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी, उप निदेशक कृषि राजकुमार, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, डीसी एनआरएलएम ओमप्रकाश मिश्र, जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय प्रभारी ने उठाया गौशालाओं की बदहाली का मुद्दा

चित्रकूट ब्यूरोः जय बजरंग सेना की रामचरित मानस अभियान की राष्ट्रीय प्रभारी अर्चना नितिन उपाध्याय ने सरकार का ध्यान गौवंश संरक्षण और ग्राम पंचायतों में गौशालाओं की बदहाल स्थिति की ओर आकृष्ट किया है। साथ ही मंदाकिनी सफाई का मुद्दा भी उठाया है।

उन्होंने कहा कि योगी सरकार के लिए गौवंश संरक्षण एक प्रमुख मुद्दा रहा है, लेकिन प्रशासनिक लापरवाही और ग्राम प्रधानों की आपसी खींचतान के चलते इस दिशा में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका है। आए दिन गौशालाओं से मिल रही नकारात्मक खबरें किसानों के विश्वास को कमजोर कर रही हैं। ऐसे में सरकार को 2027 से पहले ही इस मुद्दे पर कोई ठोस नीति बनानी चाहिए, जिससे किसानों को राहत मिले और सरकार की उपलब्धियों में यह एक सफल मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा सके।

इसके साथ ही चित्रकूट की मंदाकिनी नदी की अविरलता और निर्मलता का मुद्दा भी उठाते हुए अर्चन नितिन उपाध्याय ने कहा कि नदी सफाई के नाम पर केवल दिखावा किया जा रहा है, जबकि नालों का गंदा पानी आज भी मंदाकिनी में गिर रहा है। श्रद्धालु इस गंदे पानी में स्नान और आचमन करने को मजबूर हैं, जिससे मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

जय बजरंग सेना के संरक्षक मदन गोपाल महराज ने वास्तविक विकास से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए प्रशासन को सचेत किया कि केवल कागजी योजनाओं से जनता संतुष्ट नहीं होगी, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्यवाही की आवश्यकता है। अपील की कि गौवंश संरक्षण और मंदाकिनी नदी की सफाई के लिए ठोस कदम उठाएं, ताकि किसानों और श्रद्धालुओं को राहत मिल सके और क्षेत्र का वास्तविक विकास संभव हो सके।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस अधीक्षक ने त्रिवेणी संगम के पवित्र गंगा जल को किया वितरित

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर पुलिस अधीक्षक मोहम्मद मुश्ताक द्वारा महाकुंभ 2025 प्रयागराज की समाप्ति के उपरान्त बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स में लाये गये त्रिवेणी संगम प्रयागराज के पवित्र गंगा जल को जनपद के नागरिकों/पुलिस बल के परिवारों को वितरित किया गया है।

प्रयागराज महाकुंभ 2025 की समाप्ति के उपरांत पुलिस अधीक्षक के आदेश पर जनपद में लाये गये त्रिवेणी संगम के पवित्र गंगा जल को बुधवार को फायर विग्रेड के वाहन से लाया गया, पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन में आमजन व पुलिस परिवारों में वितरित किया गया है। महाकुंभ में किसी कारण वश न जा पाले वाले लोगो को पुलिस अधीक्षक ललितपुर द्वारा गंगाजल की बोतलें वितरित की गयी ताकि वह भी माँ गंगा से जुड़ी अपनी आस्था को महसूस कर सकें। इस कार्यक्रम का उद्देश्य श्रद्धालुओं को महाकुंभ का अनुभव देना और उनकी श्रद्धा को और सशक्त बनाने के लिये किया गया है। इस दौरान इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश निरंजन, जिलाध्यक्ष भा.ज.पा राजकुमार जैन, क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय, मुख्य अग्निशमन अधिकारी मतलूब हुसैन, प्रोजेक्ट नई किरण के सदस्य डा० दीपक चौबे, डा० एस.पी. पाठक व अन्य पुलिस अधिकारी/कर्म गण मौजूद रहे।

देव मंदिर में की गई शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा

पहाड़ी, चित्रकूटः पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने गुरुवार को थाना पहाड़ी परिसर में स्थित नवनिर्मित हरेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा कराई।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि थाना पुलिस एवं क्षेत्र के सभ्रान्त व्यक्तियों के विचारों से थाना परिसर में नवनिर्मित मंदिर में शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई है। जिससे थाना पहाड़ी पुलिस व आसपास के आम नागरिकों को पूजा-पाठ करने अब दूर नही जाना पडेगा। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक चित्रकूट चक्रपाणि त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी राजापुर जयकरन सिंह, प्रभारी निरीक्षक पहाड़ी रीता सिंह, पीआरओ प्रदीप पाल, पहाड़ी थाने के अपरध निरीक्षण प्रभुनाथ सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक मनीष कुमार, उपनिरीक्षक जंगबहादुर तोमर, सुरेश सिंह, सत्यनारायण सिंह, अरमान आलम, अभिनव सिंह, आकांक्षा सिंह, प्रेम नारायण, शेष नारायण, आनंद सिंह, शरद सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी सहित आम नागरिक मौजूद रहे।

एसडीएम व बीडीओ को पत्रकारों ने सौंपा ज्ञापन

मऊ, चित्रकूटः गौशाला की शिकायत से नाराज ग्राम प्रधान द्वारा पत्रकार कर छवि खराब करने के प्रयासों के मामले में राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद ने गुरुवार को मऊ के उपजिलाधिकारी सौरभ यादव और खंड विकास अधिकारी ओम प्रकाश यादव को ज्ञापन सौंपा है।

परिषद के जिलाध्यक्ष अनिल देवरवा ने कहा कि गौशाला की खबर प्रकाशित होने के बाद से ग्राम प्रधान बौखला गया है। इसके चलते पत्रकार पर पैसा मांगने का आरोप लगा रहा है। इस मामले की जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की जानी चाहिए। जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश, महामंत्री राजबहादुर सिंह, संगठन मंत्री आदित्य त्रिपाठी, अजय शुक्ला, जिला महासचिव अंकुर चैधरी, बृजेश कुमार शुक्ला, ओम प्रकाश दुबे, प्रकाश ओझा, प्रेमचन्द्र, अनिल।

ई-रिक्शा पकड़े जाने से दुखी होकर गरीब फूलचंद जायसवाल ने लगाई फांसी

चित्रकूट ब्यूरोः? थाना कोतवाली कर्वी अंतर्गत नगर पालिका विस्तारित क्षेत्र शास्त्री नगर वार्ड नंबर 21 के निवासी फूलचंद जायसवाल उम्र 45 वर्ष ने अपने ई-रिक्शा पकड़ जाने से दुखी होकर अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। इस दुखद घटना से पूरे परिवार में कोहराम मचा है।

साम्प्रदायिक सद्भाव के साथ त्यौहार मनाने पर दिया जोर

राजापुर, चित्रकूटः रमजान, ईद व होली त्यौहार के दृष्टिगत शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें दोनों समुदायों के लोगों से सौहार्दपूर्ण तरीके से त्यौहार मनाने की अपील की गई।

बैठक में उप जिलाधिकारी हर्षिता देवड़ा ने कहा कि सनातन एवं इस्लाम धर्म के अनुसार होने वाले दोनो त्योहारों में सद्भावना व मैत्रीपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की जो परंपरा चली आ रही है, उस परंपरा का निर्वहन करना सभी का कर्तव्य है। एसडीएम ने सद्भावना बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों पर पुलिस को नजर रखने के निर्देश दिए। बताया कि राजापुर तहसील क्षेत्र के 162 गांवों के 195 स्थलों में होलिका दहन किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षकों व लेखपालों को होलिका दहन स्थल का निरीक्षण कर तहसील कंट्रोल रूम को रिपोर्ट प्रेषित करने और सफाई कर्मी के माध्यम से होलिका दहन स्थल की साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। क्षेत्राधिकारी जयकरण सिंह ने कहा कि दोनों समुदायों के त्यौहारों के दृष्टिगत पूरे थाना क्षेत्र को चार जोनों में बांटा गया है। जिसमें एक नोडल अधिकारी तथा सिपाहियों को तैनात किया जाएगा। साथ ही दो उप निरीक्षकों को मोबाइल टीम में रखा गया है, जो पूरे चार जोनों की रिपोर्ट कंट्रोल रूम को देंगे। इस दौरान शराब व नशीला पदार्थ के नशे में उपद्रव व हुड़दंग करते हुए पाए जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव मिश्रा ने कहा कि त्यौहारों के दृष्टिगत नगर में सफाई व विद्युत व्यवस्था सुचार रूप से कराते हुए सुरक्षा व्यवस्था की कराई जाएगी। मुस्लिम समाज के अध्यक्ष अतहर नईम ने दोनों समुदाय के लोगों से सौहार्दपूर्ण भाईचारे के साथ त्यौहार मनाने की अपील की।

रासेयो की पांचों इकाइयों का सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारम्भ

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर राष्ट्रीय सेवा योजना नेहरू महाविद्यालय की पांचों इकाइयों का सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारम्भ जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण, नेमवि प्रबंधक प्रदीप चौबे, प्रबंध समिति उपाध्यक्ष विलास पटैरिया, प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश शास्त्री ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया। इस दौरान रासेयो के छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना हमारे छात्र-छात्राओं के लिए अपने समूचे व्यक्तित्व को बदलने एवं बाहरी परिवेश से जुडने एवं वहां की समस्याओं को जानने एवं सुनने का सुअवसर है। विशिष्ट अतिथि नेमवि प्रबंधक प्रदीप चौबे ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य त्याग, सेवा और समर्पण की प्रतिमूर्ति बनकर सभी छात्र-छात्राओं को अपने समाज और देश की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का सिद्धान्त वाक्य मुझको नहीं तुमको है ये सिद्धान्त वाक्य तुम्हें एवं हम सभी को संदेश देता है कि तुम्हारा सारा जीवन निजी हित व स्वार्थों में तत्पर न रहकर दूसरों के कल्याण राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तृतीय सात दिवसीय विशेष शिविर और सेवा में समर्पित होना चाहिए। आज समाज में जो ज्वलंत मुद्दे हैं उनके निराकरण के लिए छात्र-छात्राओं को आमजन से विमर्श करके समाधान का रास्ता खोजना है। विशिष्ट अतिथि प्रबंध समिति उपाध्यक्ष विलास पटैरिया ने कहा कि कक्षा, मंच और मैदान के अलावा तुम्हारे जीवन में एक लक्ष्य देश व समाज की सेवा करना भी है। इन शिविरों का आयोजन तुम्हारे जीवन को एक नई दिशा देने का सुनहरा मौका है। प्राचार्य प्रोफे, ओमप्रकाश शास्त्री ने कहा कि हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से प्रेरित है। ये संस्कृति केवल अपनों के लिए नहीं बल्कि समूचे विश्व की धरा पर रहने वाले सभी प्राणियों के हितों और उनकी समृद्धि के बारे में चिन्तन करती है। इसी भावना को लेकर समूचे भारत में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम की रूपरेखा बनाकर छात्र-छात्राओं को इस दिशा में बढने के लिए प्रोत्साहित किया है। विद्यार्थी शिविरों के माध्यम से अपने रचनात्मक कौशल का परिचय देकर समाज को समस्याओं से निजात दिलाकर एवं स्वयं में बदलाव कर एक आदर्श नागरिक की दिशा में अग्रसर होना है।

दिवंगत पत्रकार राकेश शुक्ला के परिजनों को दिया जाए मुआवजा

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर बुन्देलखंड मीडिया पत्रकार क्लब रजि. ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक पत्र जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी और जिला सूचनाधिकारी डीएस दयाल को सौंपा, जिसमें हाल ही में दिवंगत मान्यता प्राप्त पत्रकार राकेश शुक्ला के परिजनों को आर्थिक मदद की माँग की गयी है।पत्र में बताया गया है कि असमय दिवंगत शासन से मान्यता प्राप्त पत्रकार राकेश शुक्ला का हृदय गति रुक जाने से 24 फरबरी 2025 को आकस्मिक निधन हो गया है। वे 55 वर्ष के थे। वे चरित्रवान और ईमानदार स्वच्छ छवि के सकारात्मक पत्रकार थे। उनका तीन दशक से अधिक समय का कार्यकाल पत्रकारिता की निष्पक्ष छवि को समर्पित रहा है। वे पत्रकार के अलावा भी एक अच्छे और संवेदनशील सामाजिक व्यक्ति थे।

सर्व समाज में उनकी अच्छी साख रही है। उनके निधन से ललितपुर जिले में और पत्रकारिता जगत में शोक की लहर है। वे अपने पीछे पत्नी और एक अध्ययनरत पुत्र व पुत्री छोड़ गये हैं। ऐसे में अनायास उनके चले जाने से उनके परिवार की आर्थिक व्यवस्थाऐं छिन्न-भिन्न हो गयी हैं। पत्र में बताया गया है कि कोरोना काल के दौरान भाजपा शासन द्वारा दिवंगत मान्यता प्राप्त पत्रकार परिवारों को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद की गयी है। ऐसे में प्रदेश शासन से माँग की गयी है कि हाल ही में दिवंगत हुये मान्यता प्राप्त पत्रकार राकेश शुक्ला के परिवार की आर्थिक मदद के लिये सहानुभूति पूर्वक कम से कम 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कर उनके शोकाकुल परिवार को सम्बल प्रदान किया जाये। जिलाधिकारी और जिला सूचनाधिकारी ने इस पत्र को संस्तुति सहित शासन तक भिजवाने का आश्वासन दिया। इस दौरान क्लब के संरक्षकगण पत्रकार रवीन्द्र दिवाकर, जाकिर राज चौहान, राजाराम यादव, फहीम बख्श, मीडिया प्रभारी शमीम खान, विधि सलाहकार मोहम्मद आसिफ, जोवद किरमानी, उपाध्यक्ष सजल दिवाकर, हसीब खां वकील, शिशुपाल अहिरवार, आमिर खान, महेन्द्र यादव, पवन प्रजापति आदि मौजूद रहे।

ललितपुर सेवा ग्रुप रजि.द्वारा श्रद्धांजलि सभा आयोजित, मृतक महिला के लिए न्याय की मांग

ललितपुर : नगर की प्रसिद्ध स्वयंसेवी संस्था ललितपुर सेवा ग्रुप द्वारा नगर के मध्य स्थित घंटाघर स्थल पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में मृतक महिला मालती सोनी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिनकी दुखद मृत्यु मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के अभाव और डॉक्टरों की लापरवाही के कारण हो गई थी। सभा में उपस्थित लोगों ने मृतक महिला के परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और न्याय की मांग की। लोगों ने आरोप लगाया कि अगर अस्पताल में सही इलाज और डॉक्टरों की तत्परता होती तो मालती सोनी की जान बचाई जा सकती थी। ललितपुर सेवा ग्रुप ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया और प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। समारोह में कई समाजसेवियों और स्थानीय नागरिकों ने अपनी बात रखी और इस घटना को अस्पतालों में सुधार की आवश्यकता के रूप में देखा। उपस्थित लोगों ने न्याय के लिए एकजुट होने का संकल्प लिया और इस मुद्दे को हर स्तर पर उठाने का निर्णय लिया। ललितपुर सेवा ग्रुप ने इस श्रद्धांजलि सभा के माध्यम से ना सिर्फ मालती सोनी के परिवार के साथ अपनी एकजुटता जताई, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की आवश्यकता को भी उजागर किया।

ग्रामीण विकास के लिए पंचायतों का सशक्तिकरण और भ्रष्टाचार मुक्त होना आवश्यक है- चन्द्र शेखर प्राण

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

ललितपुर तीसरी सरकार अभियान के अन्तर्गत पंचपरमेश्वर विद्यापीठ और विश्व युवक केन्द्र संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय ग्रामीण नेतृत्व विकास के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का शुभारंभ आचार्य नरेन्द्र देव सभागार महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ में किया गया।

प्रशिक्षण के निर्देशक और तीसरी सरकार अभियान व पंचपरमेश्वर विद्यापीठ के संस्थापक चन्द्र शेखर प्राण ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि तीसरी सरकार अभियान के व्दारा विभिन्न संस्थाओं विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर ग्रामीण नेतृत्व विकास के लिए जमीनी स्तर पर प्रशिक्षक तैयार किये जा रहे हैं, जिससे कि त्रिस्तरीय पंचायतों के सशक्तिकरण के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्र को भ्रष्टाचार से मुक्त किया जा सके क्योंकि भ्रष्टाचार विकास में मुख्य बाधक है।

विश्व युवक केन्द्र के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा0 अजीत राय ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भविष्य में इस प्रकार के और कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती पूनम मौर्या अध्यक्ष जिला पंचायत वाराणसी ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायतों को मिलकर काम करते हुए लोगों को जागरूक करना होगा तभी ग्रामीण क्षेत्र में नेतृत्व का विकास होगा और गांव आगे बढेंगे। डीजी

एन आई आर डी हैदराबाद के प्रतिनिधि प्रौफेसर डा0 लाखन सिंह ने कहा कि ग्रामीण विकास संस्थान हैदराबाद के व्दारा भी इसके लिए 6 माह और तीन माह के प्रशिक्षण आयोजित किये जाते हैं जो भी चाहें प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार के पूर्व सचिव श्री सुनील कुमार ने अपने आनलाइन सम्बोधन में कहा कि वर्तमान में गाँव का तेजी से विकास न होने के कारण गाँव और शहर की दूरी बढ रही है यदि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति धीमी रही तो आने वाले कुछ वर्षों में ग्रामीण आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा शहरों की तरफ पलायन करेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में विशेषकर पंचायतों में अच्छे काम करने वाले जन प्रतिनिधियों को सम्मानित करने की आवश्यकता है व्यूरोक्रेट को नहीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री डा0 मदन मोहन चतुर्वेदी कुलपति एस जी टी विश्व विद्यालय हरियाणा ने अपने संबोधन में कहा कि हमें समाज में भारतीय व्यज़नों को प्रोत्साहित करना होगा वो ग्रामीण विकास में बहुत योगदान करेंगे, क्योंकि आजकल रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों और अन्य सार्वजनिक स्थानो पर पेप्सी, कोकाकोला की बोतल उपलब्ध है मगर दूध, मठ्ठा की बोतल नहीं मिलेगी अब इससे हो ये रहा है कि यदि इन स्थानों पर बच्चे को भूख लगे तो माँ उसे पेप्सी कोक की बोतल पिलाने के लिए मजबूर है।

कार्यक्रम का संचालन डा0 गीता जी व धन्यवाद ज्ञापन डा0 रवि प्रकाश गुप्ता विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान पं दीनदयाल उपाध्याय राजकीय कन्या महाविद्यालय, सेवापुरी के व्दारा किया गया।

प्रशिक्षण में उतर प्रदेश के अलावा और भी कई राज्यों बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़,उत्तराखंड के प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं।

प्रशिक्षण के संचालन की व्यवस्था में श्री विनोद कुमार, डा0 प्रशांत कुमार, मीडिया प्रभारी तीसरी सरकार अभियान मुकन्द वल्लभ शर्मा मेरठ, उत्तर प्रदेश के संयोजक प्रमोद चौधरी, सुभाष उपाध्याय, मुजफ्फरनगर, श्रीमती मंजू शर्मा, मौ शरीफ अहमद मुरादाबाद एवं महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ का योगदान सराहनीय रहा।

जिला स्तरीय शांति समिति बैठक आयोजित होली व धूलंडी पर कड़ी निगरानी के निर्देश

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

झुंझुनूं। होली व धूलंडी के पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक गुरुवार को जिला कलेक्टर रामावतार मीणा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों सहित शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नवलगढ़ में निकलने वाले गैर जुलूस को समय पर शुरू और संपन्न कराया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। उन्होंने कहा कि शांति एवं कानून व्यवस्था प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए किसी भी अवांछनीय घटना को रोकने के लिए सभी तैयारियां पूरी की जाएं। जिला कलेक्टर ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को होली व धूलंडी पर निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, विद्युत विभाग को जुलूस के मार्ग में आ रहे ढीले तारों की मरम्मत करने के लिए कहा गया, जिससे किसी प्रकार की दुर्घटना न हो।

असामाजिक तत्वों पर रहेगी पैनी नजर– पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी ने बैठक में कहा कि त्योहार को सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी समुदाय को परेशानी हो तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें।

उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों और माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी।

ये रहे मौजूद

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रणजीत गोदारा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेंद्र सिंह, झुंझुनूं एसडीएम हवाई सिंह, नवलगढ़ एसडीएम जय सिंह, सीओ हरि सिंह, सीओ राजवीर सिंह, नगर परिषद आयुक्त दिलीप पूनिया, झुंझुनूं तहसीलदार महेंद्र सिंह मूंड, एपीआरओ विकास चाहर सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी तथा शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जैतसागर नाले से अतिक्रमण हटाकर तुरंत शुरू करवाएं कार्य - जिला कलक्टर

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी, 6 फरवरी। जैतसागर नाले के निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने के संबंध में गुरुवार को जिला कलक?टर अक्षय गोदारा ने आरयूआईडीपी एवं नगर परिषद के अधिकारियों के साथ जैतसागर नाले का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर अतिक्रमण के कारण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है, ऐसे अतिक्रमण को हटाया जाकर निर्माण कार्य शुरू करवाया जाए। निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने संवेदक को निर्देश दिए कि और अधिक टीमें लगाकर कार्य शुरू करवाया जाए और बरसात के मौसम से पहले इसको पूर्ण करने का प्रयास किया जाए।

उन्होंने कहा कि अलग-अलग टीमें बनाकर निर्माण कार्य की गति को बढ़ाया जाए। उन्होंने मीरा गेट क्षेत्र, महावीर कॉलोनी, नैनवा रोड पुलिया, मजिस्ट्रेट कॉलोनी, एसपी ऑफिस क्षेत्र में नाले का जायजा लिया।

इस दौरान नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल, उपखंड अधिकारी एचडी सिंह, नगर परिषद आयुक्त संतलाल मक्कड़, आरयूआईडीपी के अधिकारी मौजूद रहे।

राजीव गांधी पर की गई टिप्पणी पर मचा बवाल, अशोक गहलोत ने मणि शंकर अय्यर को बताया 'सिरफिरा'

जयपुर। गहलोत ने अय्यर के बयान को हताशा की पराकाष्ठा बताया और कहा कि राजीव गांधी ने भारत की प्रतिष्ठा को वैश्विक स्तर पर बढ़ाया। भाजपा ने इस बयान को सोशल मीडिया पर वायरल कर कांग्रेस को घेरा। अय्यर की टिप्पणी से कांग्रेस के अंदर विवाद गहराने की संभावना जताई जा रही है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने गुरुवार को अपनी ही पार्टी के नेता मणि शंकर अय्यर पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें सिरफिरा (पागल व्यक्ति) करार दिया। अय्यर ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की योग्यता पर सवाल उठाते हुए कहा था कि वह अकादमिक रूप से संघर्ष कर रहे थे और एक एयरलाइन पायलट होने के बावजूद प्रधानमंत्री कैसे बन सकते थे।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अय्यर के बयान को हताशा की पराकाष्ठा बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा बयान केवल एक सिरफिरा व्यक्ति ही दे सकता है। गहलोत ने गुरुवार को जयपुर में अपने आवास पर मीडिया से बातचीत की। उन्होंने बताया कि राजीव गांधी जब प्रधानमंत्री थे तब मणिशंकर अय्यर उनके काफी करीबी हुआ करते थे। इतना ही नहीं मनमोहन सिंह सरकार में भी मंत्री रहे और सोनिया गांधी के भी करीबी रहे हैं। वो लंबे समय से राजनीति कर रहे हैं, लेकिन पता नहीं क्यों पिछले कुछ वर्षों से वे लगातार विवादित बयान देते आ रहे हैं। राजीव गांधी ने भारत की प्रतिष्ठा को वैश्विक स्तर पर बढ़ाया और उनके कार्यकाल में कई ऐतिहासिक कानून पारित किए गए।अय्यर का यह विवादित बयान भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया गया था, जिसमें अय्यर को यह कहते सुना गया कि ₹राजीव गांधी इंग्लैंड में दो बार फेल हुए, फिर भी प्रधानमंत्री कैसे बन गए?₹ इस बयान पर भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए तंज कसा। गहलोत ने अय्यर की टिप्पणी की कड़ी आलोचना करते हुए इसे निंदनीय बताया।

शुभारंभ पर सियासत गर्म, कांग्रेस ने कांस्टिट्यूशन क्लब के उद्घाटन के बहिष्कार का किया एलान

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

जयपुर । राजस्थान विधानसभा के कांस्टिट्यूशन क्लब का शुभारंभ सियासत की भेंट चढ़ गया है। कांग्रेस ने गुरुवार को एलान किया वह कांस्टिट्यूशन क्लब के उद्घाटन कार्यक्रम का बहिष्कार करेगी। लोकसभा अध्यक्ष 8 मार्च को विधायकों के लिए बनाए गए इस क्लब का उद्घाटन करने आ रहे हैं।

राजधानी जयपुर में विधानसभा परिसर के ठीक सामने बने कांस्टिट्यूशन क्लब के उद्घाटन पर जबरदस्त विवाद छिड़ गया है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर बीजेपी पर श्रेय लेने की सियासत करने का आरोप लगा रही है। कांग्रेस ने गुरुवार को ऐलान कर दिया कि वह कांस्टिट्यूशन क्लब के उद्घाटन कार्यक्रम का बहिष्कार करेगी। लोकसभा अध्यक्ष 8 मार्च को विधायकों के लिए बनाए गए इस क्लब का उद्घाटन करने आ रहे हैं।

गहलोत बोले लोकसभा स्पीकर का पद बहुत बड़ा है। उनको जानकारी दी गई है कि नहीं कि इस क्लब का उद्घाटन हो चुका है। गहलोत ने कहा- तत्कालीन स्पीकर डॉ. सीपी जोशी, तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और शांति धारीवाल सभी इसके उद्घाटन कार्यक्रम में मौजूद थे। अखबारों में फोटो छप चुकी है। उन्होंने कहा कि अभी भी समय है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला जी को इस प्रकार के कार्यक्रम में भाग नहीं लेना चाहिए। स्पीकर को खुद ही इसका शुभारंभ कर देना चाहिए इसमें क्या दिक्कत है।

गहलोत बोले इसी तरह से बीजेपी ने रिफाइनी का श्रेय कांग्रेस को नहीं मिले इसलिए इसे पांच साल तक उसे बंद रखा। इनकी सोच बहुत निम्म स्तर की है। हमने कोई प्रोजेक्ट तो बीजेपी राज में शुरू हुआ उसे बंद नहीं किया। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि यहां की सरकार और स्पीकर ने क्या सोच कर उद्घाटन के नाम पर इसे एक साल बंद रखा।

जूली बोले विधायक दल की बैठक में सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से यह बात कही है कि जिस कांस्टिट्यूशन क्लब का उद्घाटन पुराने कांग्रेस के समय में हो गया था। इसकी पट्टिका यहां दोनों तरफ लग रही है। इसके बावजूद भी शुभारंभ के नाम पर वापस इसका उद्घाटन ये लोग करना चाह रहे हैं। हमारा पूरा विधायक दल इसका विरोध कर रहा है। इस प्रकार की परिपाटी ये पूरे प्रदेश में लागू करेंगे। जूली बोले कि आप खुद इसकी शुरूआत कर दो। जूली ने कहा कि लोकसभा स्पीकर कोई ओर कार्यक्रम में यहां आएं तो हम भी उनका सम्मान करेंगे। इस कार्यक्रम पर पुन विचार किया जाए।

कार्तिकेय की 'अमानत' का उम्मेद पैलेस बना गवाहें

जोधपुर। मध्य प्रदेश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बड़े बेटे कार्तिकेय और लिबर्टी शू कंपनी के डायरेक्टर अनुपम बंसल की बेटी अमानत की शादी उम्मेद भवन पैलेस में शाही अंदाज में संपन्न हुई। शादी में राजनीति, उद्योग और प्रशासन जगत की कई दिग्गज हस्तियां शामिल हुईं।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बड़े बेटे कार्तिकेय आज शादी के बंधन में बंध गए। दो दिन से जोधपुर में इस शाही शादी की धूम मची हुई है। कार्तिकेय लिबर्टी शू कंपनी के डायरेक्टर अनुपम बंसल की बेटी अमानत के साथ सात फेरे ले लिए। इस दौरान जोड़े को आशीर्वाद ने दे राजनीति जगत की कई बड़ी हस्तियां जोधपुर उम्मेद भवन पैलेस में पहुंची। शादी के बाद इंदौर और दिल्ली में अलग से रिसेप्शन रखे गए हैं।

विवाह समारोह में राजस्थान सरकार के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा विशेष अतिथि के रूप में पहुंचे। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। जिससे यह मुलाकात राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई।

शिवराज सिंह के बेटे के शादी समारोह में शिरकत करने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी शाम को जोधपुर पहुंचे गए। एयरपोर्ट पर भाजपा के पदाधिकारी और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने उनकी अगुवाई की। उम्मेद भवन पैलेस में आयोजित हो रहा है कार्तिकेय और अमानत का विवाह समारोह।

शिवराज सिंह के बेटे कार्तिकेय की शाही शादी में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम दीया कुमारी, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उद्योगपति अरुण नायर, मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री रामपाल सिंह, प्रभुराम चौधरी जोधपुर पहुंचे हुए हैं।

ये था तय कार्यक्रम- कार्तिकेय और अमानत की शादी में संगीतमय फेरे का समय गुरुवार शाम 7 से 9 बजे बरादरी लॉन्स उम्मेद भवन पैलेस में तय हुआ है। इसके साथ 9 से 11 बजे तक बरादरी लॉन्स उम्मेद भवन पैलेस में साजन गोठ और 11 बजे बरादरी लॉन्स से विदाई का कार्यक्रम तय हुआ है।

पिछले साल हुई थी सगाई-अमानत बंसल ने लंदन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से साइकोलॉजी की पढ़ाई की है। दोनों की सगाई पिछले साल 17 अक्तूबर को दिल्ली में हुई थी। मानत और कार्तिकेय ने शिवराज सिंह को श्रीरामचरितमानस भेंट की शिवराज सिंह चौहान अपने परिवार के साथ मंगलवार को जोधपुर पहुंचे थे। दो दिन से जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में शादी की धूम मची हुई है। मंगलवार देर रात शिवराज और अनुपम बंसल के परिवार ने साथ मिलकर उम्मेद भवन पैलेस में डिनर किया। ये आयोजन शिवराज सिंह के जन्मदिन का था। शिवराज ने अपना बर्थ डे केक काटा।

'मामा' के बेटे की शादी में पहुंचे 'बाबा', गर्मजोशी से हुआ स्वागत, मुखिया भी मौजूद

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

जोधपुर । डॉ. मीणा और शिवराज सिंह चौहान संघ पृष्ठभूमि से आते हैं और उनकी हालिया सार्वजनिक बातचीत भी सुर्खियों में रही थी। मीणा की इस उपस्थिति को खास माना जा रहा है, क्योंकि फोन टैपिंग विवाद के बाद वे सार्वजनिक तौर पर कम दिख रहे थे।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे के विवाह समारोह में राजस्थान सरकार के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा विशेष अतिथि के रूप में पहुंचे। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया, जिससे यह मुलाकात राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई।

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा और शिवराज सिंह चौहान दोनों संघ पृष्ठभूमि से आते हैं और उनके आपसी संबंध अच्छे माने जाते हैं। हाल ही में राइजिंग राजस्थान कार्यक्रम के दौरान दोनों नेताओं के बीच हुई मजाकिया बातचीत भी सुर्खियों में रही थी, जहां मीणा ने खुद को बाबा और चौहान ने खुद को ₹मामा₹ बताया था। डॉ. मीणा की इस समारोह में मौजूदगी इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि हाल ही में फोन टैपिंग विवाद को लेकर उन्हें पार्टी की ओर से नोटिस मिला था, जिसके बाद से वे सार्वजनिक रूप से कम नजर आ रहे थे। ऐसे में उनकी यह उपस्थिति राजनीतिक संकेत भी दे रही है।

भजनलाल शर्मा से मुलाकात पर नजरें- शादी समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद हैं। माना जा रहा है कि इस मौके पर डॉ. किरोड़ी लाल मीणा और भजनलाल शर्मा के बीच गतिरोध समाप्त हो सकता है। लोकसभा चुनावों के दौरान डॉ. मीणा ने इस्तीफे की पेशकश की थी और दौसा उपचुनाव में उनके भाई की हार के बाद उन्होंने अपनों पर ही ₹पीठ में खंजर घोंपने₹ का आरोप लगाया था।अब जब वे शादी समारोह में केंद्र सरकार के कई बड़े नेताओं के संपर्क में आएंगे, तो राजस्थान की राजनीति में नए समीकरण बन सकते हैं। जोधपुर में यह मुलाकात सिर्फ एक पारिवारिक आयोजन तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका असर राज्य की राजनीति पर भी पड़ सकता है।

रक्तवीर चौथमल शर्मा ने एक रक्तदान पिता के नाम अभियान के तहत 6वी बार किया स्वैच्छिक रक्तदान

ब्यरो एनपीटी

बूंदी । मानव सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश खोईवाल ने बताया की समिति द्वारारक्तदान महादान की जागरूकता के लिए एक चलाए जा रहे, रक्तदान पिता के नाम अभियान के तहत रक्तवीर चौथमल शर्मा ने 20 किलो मीटर दूर मंडावरा से बूंदी बल्ड बैंक आकर 6 वी बार रक्तदान कर गंभीर बीमार बालिका का जीवन बचाया रक्तदान कर चौथमल शर्मा ने कहा की वर्तमान में गर्मी की वजह से रक्तदान शिविर नही लग पा रहे है इसलिए बूंदी ब्लड बैंक में रक्त भारी कमी हो रही है। आज मेने राजेश खोईवाल से सूचना मिलने पर 6वी बार रक्तदान किया है और मुझे खुशी हे की मेरे रक्तदान करने से किसी अनजान को जीवनदान मिलेगा, और युवाओं से निवेदन करता हु की वर्तमान में मरीजों को बल्ड की कमी के चलते रक्त नहीं मिल पा रहा है इसलिए बूंदी बल्ड बैंक पहुंचकर एक रक्तदान पिता के नाम अभियान के तहत स्वैच्छिक रक्तदान जरूर करे जिससे की जरूरत मंद मरीजों को आसानी से रक्त उपलब्ध करवाकर मरीजो का जीवन बचाया जा सके। इस दौरान रवि कुमार नरेश सैनी सोनू डगोरिया, रमेश चंद्र आजाद, सूरज राठौर, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परीक्षा से 1 घंटे पहले प्रवेश बंद करने के

लेकिन जब पहली बार बूंदी में गुरुवार को शिक्षा विभाग को दसवीं बोर्ड के छात्र को परीक्षा शुरू होने के 25 मिनट बाद घर से बुलवाकर दिलवानी पड़ी परीक्षा.

ब्यरो -एनपीटी

बून्दी! बोर्ड परीक्षा में दसवीं के छात्र कुलदीप सोनी को उपस्थिति कम बताकर परीक्षा देने से रोकने के मामले में घुटनों के बल आया शिक्षा विभाग! राजस्थान बीज निगम के पूर्व निदेशक चर्मेश शर्मा के संघर्ष के बाद छात्र कुलदीप सोनी को न्यू नेहरू कैरियर स्कूल सेंटर पर गुरुवार को बोर्ड परीक्षा शुरू होने के 25 मिनट बाद घर से बुलवाकर दिया गया प्रवेश।कागजी देवरा के निजी विद्यालय के 10 वी बोर्ड के छात्र कुलदीप सोनी को प्रेजेंट शॉर्ट कम उपस्थिति बताकर जिला शिक्षा अधिकारी ने परीक्षा दिलवाने से कर दिया था मना। लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला और जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा से छात्र के द्वारा गुहार लगाने के बावजूद शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने दिया था 75% उपस्थिति के नियमों का हवाला देते हुए छात्र को परीक्षा दिलवाने में जता दी थी असमर्थता

वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश पारीक से परामर्श के बाद बुधवार सांय 5 बजे राजस्थान बीज निगम के पूर्व निदेशक चर्मेश शर्मा के साथ छात्र कुलदीप सोनी ने विधिक सहायता न्यायालय में वाद के माध्यम से लगायी भविष्य बचाने की गुहार।न्यायालय के तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी को नोटिस भेजकर जवाब मांगने और कार्यवाही के निर्देश के बाद गुरुवार सुबह प्रातः 8:30 बजे परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर ने दिये छात्र को परीक्षा दिलवाने के आदेश। जिला शिक्षा अधिकारी ने परीक्षा शुरू होने के समय छात्र की न्याय के लिए आवाज उठा रहे चर्मेश शर्मा को दूरभाष पर दी सूचना।जिसके बाद शर्मा के साथ परीक्षा केंद्र पहुंचा छात्र।शर्मा ने माल्यार्पण कर छात्र को भेजा परीक्षा केंद्र।

गढी हसनपुर मे कार की टक्कर से पॉच वर्षीय बालक की मौत,घर में मचा कोहराम

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

चौसाना। गढी हसनपुर के थानाभवन मार्ग पर खेल रहे पॉच वर्षीय बालक कार की टक्कर से घायल हो गया। कार सवारों ने बालक को गम्भीर हालात मे चौसाना के स्थानीय अस्पताल मे भर्ती कराया और मौके से फरार हो गये। उपचार के दौरान बालक की मौत हो गई। बालक की मौत से परिवार मे कोहराम मचा है। चौसाना चौकी क्षैत्र के गांव गढी हसनपुर निवासी पॉच वर्षीय बालक इब्राहिम पुत्र नवीद सडक पर खेल रहा था। उसी दौरान थानाभवन की ओर से आ रही कार ने सडक पर खेल रहे युवक को टक्कर मार दी। कार की टक्कर से बालक गम्भीर रूप से घायल हो गया। कार सवारो ने बालक को चौसाना के एक अस्पताल मे भर्ती कराया। आरोप है कि कार सवार मोके से फरार हो गयें। उपचार के दोरान बालक ने दम तोड दिया। बालक की मौत की खबर से घर मे कोहराम मच गया। पीडित परिवार ने बालक के शव का पोस्टमार्टम नही कराया। वही पुलिस आरोपी कार सवार की तलाश मे जुटी है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध सम्बन्धों का विरोध करने पर पत्नी के साथ मारपीट

कांधला। विवाहिता महिला ने अपने पति के अन्य महिला के साथ अवैध सम्बन्ध का विरोध किया तो आरोपी पति ने महिला पर हमला करते हुए घायल कर दिया। महिला ने पुलिस को मामले की शिकायत कर कार्रवाही की मांग की है। थाना क्षेत्र के गांव अम्बेहटा निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि उसका निकाह 4 वर्ष पूर्व सददाम के साथ हुआ था। आरोप है कि पति के अन्य महिला के साथ अवैध सम्बन्ध है। महिला ने कई बार पति की गलत हरकत का विरोध किया तो आरोपी महिला के साथ लाठी डंडों से मारपीट करता था। गुरूवार को महिला ने फिर से पति के अन्य महिला के चक्कर में आकर घर की संम्पत्ति का नष्ट करने का विरोध किया तो आरोपी पति ने आग बबूला होकर महिला पर जान लेवा हमला बोल दिया, महिला ने पति की चंगुल से छुटकर भागकर अपनी जान बचाई। महिला ने थाने जाकर आरोपी पति के विरूद्ध नामजद शिकायत कर कार्रवाही की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जसाला के निकट बाइक अनियंत्रित होने से चाचा भतीजी घायल

कांधला। थाना क्षेत्र के दिल्ली नेशनल हाईवे मार्ग जसाला के निकट बाइक अनियंत्रित होने से सगे चाचा भतीजी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से उपचार के लिए गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया। गुरुवार को जनपद शामली के गांव सिक्का सिलावर निवासी सोनू पुत्र जयप्रकाश अपनी भतीजी वंशी पुत्री अमरदीप के साथ बाइक पर सवार होकर जनपद बागपत के गांव सरूरपुर में आयोजित शादी समारोह में सम्मिलित होने के लिए गए जा रहे थे। दोपहर के समय बाइक सवार दिल्ली नेशनल हाईवे गांव जसाला के निकट स्थित मैरिज होम के पास पहुंचे तो उनकी बाइक और नियंत्रित होकर मार्ग पर गिर गई। जिसमें चाचा भतीजी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए डायल 108 एम्बुलेन्स की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। तथा परिजनों को मामले की जानकारी देकर मौके पर बुलाया गया। दोनों की चिंताजनक हालत को देखते हुए डॉक्टर ने उन्हें उपचार के लिए शामली हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया है।

प्रेमिका के परिजनों से तंग आकर युवक ने खाया जहर,हालत गंभीर

कैराना। प्रेम विवाह रचाने क्षुब्ध प्रेमिका के परिजनों ने युवक को बंधक बनाकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी,जिसके बाद युवक ने जीवन लीला समाप्त करने के उद्देश्य से विषैले पदार्थ का सेवन कर लिया। जिसके बाद उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।परिजनों द्वारा उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पीड़ित के भाई ने कोतवाली पर तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर दुकानों में घुसा,चालक फरार

थाना भवन । बृहस्पतिवार तड़के करीब 3 बजे सहारनपुर की ओर से आ रहा एक तेज रफ्तार ट्रक (वढ 14 छळ 0930) अनियंत्रित होकर थाना भवन चरथावल बस स्टैंड पर खड़ी पिकअप और दूध के कैंटर को टक्कर मारते हुए तीन दुकानों में जा घुसा।हादसे के दौरान ट्रक ने पहले दूध के कैंटर और केला गोदाम पर कैला उतारने आई पिकअप को जोरदार टक्कर मारी, फिर बेकाबू होकर सड़क किनारे बनी तीन दुकानों नूर ट्रेडर्स, चांद ऑटो स्पेयर पाट्र्स, शफीर की खाद की दुकान में जा घुसा। इस टक्कर से दुकानों के शटर,

काउंटर व अन्य सामान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

रात्रि के समय हुए इस हादसे से इलाके में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि घटना के वक्त सड़क पर कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ी जनहानि होने से बच गई। स्थानीय व्यापारियों ने प्रशासन से इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। ट्रक चालक का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया अभी तक कोई तहरीर नही आई है ट्रक के नम्बरो के अनुसार ट्रक मालिक को सूचना देकर बुलाया है।

फाग महोत्सव पर जमकर झूमें रसिक श्रद्धालुगण

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

कांधला। नगर में फाल्गुन मास पर फाग महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें फागुन महीने में राधा रसिक बिहारी मुरली मनोहर को भक्ति के रंग में सराबोर कर प्रभु को रिझाने के लिये फाग रसिक भजनों के गुणगान पर श्रद्धालुगणों झूमने पर विवश कर दिया। श्रद्धालुओं ने लाडली युगल किशोर के साथ रंग-गुलाल व फूलों की होली खेल वातावरण बरसाने की सुप्रसिद्ध होली जैसें बना दिया।

बीते बुधवार को नगर के मौहल्ला रायजादगान स्थित श्रीरामलीला मंडप भवन के प्रागण में श्री हरिदासी पागलों की टोली के तत्वधान में श्रीराधा रास बिहारी जी के दिव्य फाग महोत्वव का आयोजन किया गया। पंड़ित ललित शर्मा ने विधि विधान के साथ पूजा सम्पूर्ण कराकर कार्यक्रम शुभारंभ कराया। जिसके बाद हरियाणा पानीपत से पधारे श्री राधावल्लभ सत्संग के भजन गायक रवि आहूजा ने राधा लाडली सरकार के भजन की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का रंगारंग आगाज किया। उन्होने होली खेत रहे नन्द लाल, आज ब्रज में होली रे रसिया, राधा रसिक बिहारी लाल के होली उत्सव से ओत प्रोत सुन्दर एक बढकर एक भजनों का गुणगान किया। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रसिक श्रद्धालुओं ने युगल किशोर के साथ पुष्प व रंग अबीर गुलाल के साथ फाग महोत्वसव रसिक भजनों पर झूमते हुए जमकर होली खेली। कार्यक्रम में फाग महोत्सव के दौरान वातारण बरसाना मय बना दिया। पूरी रात चले धार्मिक रंगारंग का कार्यक्रम समापन किया गया। राधा लाडली सरकार की आरती के पश्चात प्रसाद का विरतण किया गया। कार्यक्रम का संचालन जोनी शर्मा ने किया। इस दौरान अशोक महेश्वरी, सर्वेश वर्मा, प्रदीप, प्रमोद शर्मा, गुलशन खन्ना, राजेन्द्र आचार्य, त्रिषिपाल पंवार, सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

महराजगंज में दंगा नियंत्रण उपकरण का कराया गया रिहर्सल

पुलिस क्षेत्राधिकारी महसी धीरेन्द्र श्रीवास्तव की मौजूदगी में किया गया दंगा नियंत्रण मॉकड्रिल

बहराइच। मारो-मारो, पुलिस की लापरवाही से जान गई है, आग लगा दो, वाहनों को तोड़ दो... कुछ इस तरह की नारेबाजी के साथ भीड़ अनियंत्रित हो गई। भीड़ की आगजनी से जलते वाहनों को बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड ने मोर्चा संभाला और आग बुझाते हुए वाटर कैनन से भीड़ को तितर-बितर किया गया। लाठी लेकर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने दंगाई भीड़ पर लाठीचार्ज कर दिया। इससे गुस्साई भीड़ ने शव सड़क पर रखकर पुलिस टीम पर पत्थरबाजी कर दी। पुलिस ने मिर्ची बम व आंसू गैस के गोले दागे और आला अधिकारियों को सूचना दी। सूचना पर पहुंचे पुलिस क्षेत्राधिकारी ने पुलिसकर्मियों के साथ स्थिति को नियंत्रित किया और दंगाई भीड़ को खदेड़ दिया। साथ ही घायलों को तत्काल एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया।

उक्त बृहस्पतिवार को महसी के महराजगंज में आगामी पर्वों को देखते हुए आयोजित दंगा नियंत्रण के मॉकड्रिल के दौरान देखने को मिली। इस दौरान ड्रोन कैमरे से उग्र भीड़ पर नजर रखी गई। अभ्यास के दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी धीरेन्द्र श्रीवास्तव, थाना प्रभारी कमलशंकर चतुवेर्दी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने एंटी-राइट गन, टियर गैस गन, रबर बुलेट गन, हैंड ग्रेनेड, मिर्ची बम, वाटर कैनन और लाठी चार्ज आदि का प्रदर्शन किया। ज्ञातव्य हो कि बीते 13 अक्टूबर को महाराजगंज कस्बे में प्रतिमा विसर्जन के दौरान दो समुदायों के बीच विवाद हो गया था जिसके सके बाद विवाद ने उग्र रूप ले लिया जिसमें रेहुआ मंसूर गांव निवासी रामगोपाल की गोली लगने से मौत हो गई थी। इसके बाद पूरे क्षेत्र में बड़ी हिंसा हुई इसमें कई लोग घायल हुए और कई सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा जिसको देखते हुए ऐसी किसी भी परिस्थिति के लिए पहले से ही तैयार रहने के लिए यह मॉकड्रिल की जा रही है जिससे आने वाले समय में अगर कभी भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो सुरक्षा कर्मी उसे रोकने और पुरी तरह से नाकाम करने के लिए हमेशा तैयार रहें।

20 मार्च के बाद यूपी से गुजरने वाली ये 30 ट्रेनें होंगी प्रभावित, चार रहेंगी पूरी तरह से निरस्त

लखनऊ । उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़-पिरथीगंज-मां बाराही देवी धाम-गौरा रेलखंड पर दोहरीकरण कार्य के चलते 20 मार्च के बाद 30 से अधिक ट्रेनें प्रभावित रहेंगी।

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़-पिरथीगंज-मां बाराही देवी धाम-गौरा रेलखंड पर दोहरीकरण कार्य के चलते 20 से 26 मार्च तक ट्रेनों का संचालन बाधित होगा। चार ट्रेनें निरस्त रहेंगी। कई बदले रूट से चलाई जाएंगी। कईयों को रास्तें में रोककर चलाया जाएगा।

सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि 14201 जौनपुर रायबरेली एक्सप्रेस, 14202 रायबरेली जौनपुर एक्सप्रेस, 55141 बनारस मां बेल्हा देवी धाम पैसेंजर, 55142 मां बेल्हा देवी धाम बनारस पैसेंजर 20 से 26 मार्च तक निरस्त रहेंगी। इसी क्रम में 24203 वाराणसी लखनऊ सुपरफास्ट, 24204 लखनऊ वाराणसी सुपरफास्ट, 13005 हावड़ा अमृतसर मेल, 13006 अमृतसर हावड़ा मेल, 12356 पटना जम्मूतवी अर्चना एक्सप्रेस, 12356 जम्मूतवी पटना अर्चना एक्सप्रेस, 12875 पुरी आनंदविहार नीलांचल एक्सप्रेस, 00462 ढंडारीकलां अगरतला को परिवर्तित लखनऊ-सुलतानपुर-वाराणसी रूट से चलाया जाएगा।

ऐसे ही 15119 वाराणसी देहरादून एक्सप्रेस, 15120 देहरादून वाराणसी एक्सप्रेस को रायबरेली, ऊंचाहार, फाफामऊ, जंघई मार्ग से चलाया जाएगा। 22129 लोकमान्य तिलक प्रयागराज तुलसी एक्सप्रेस को फाफामऊ, जौनपुर, जफराबाद, शाहगंज, अयोध्या छावनी के रास्ते, 22683 यशवंतपुर लखनऊ एक्सप्रेस को रायबरेली, ऊंचाहार, फाफामऊ, प्रयागराज के रास्ते, 54254 लखनऊ प्रयागराज संगम पैसेंजर लखनऊ, रायबरेली, ऊंचाहार, फाफामऊ, प्रयागराज संगम मार्ग से चलाया जाएगा। इसके अलावा एक दर्जन ट्रेनों के ठहराव में परिवर्तन किया गया है। मां बाराही देवी धाम स्टेशन पर प्लेटफॉर्म उपलब्ध नहीं होने के कारण स्टॉपेज को अस्थायी रूप से बदला गया है। बाराही देवी धाम स्टेशन की जगह ट्रेनें गौरा व पिरथीगंज स्टेशन पर रुकेंगी।

रोककर चलाई जाएंगी ये ट्रेनें

22130 अयोध्या छावनी लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस 26 को एक घंटे की देरी से अयोध्या छावनी से चलेगी। 20413 वाराणसी इंदौर महाकाल एक्सप्रेस 20 को रास्ते में आधे घंटे, 15108 लखनऊ वाराणसी एक्सप्रेस 26 को रास्ते में पौन घंटे, 15127 बनारस नई दिल्ली काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस 26 को रास्ते में पौन घंटे रोककर चलाई जाएंगी।

यूपी का मौसम: पछुआ हवाओं पर लगी लगाम, शुक्रवार से प्रदेश में चढ़ना शुरू होगा पारा; ये हैं पूवार्नुमान

लखनऊ । यूपी में दो दिनों से चल रहीं पछुआ हवाएं गुरुवार शाम से रुक गईं। इन हवाओं के रुकने के बाद शुक्रवार से प्रदेश में एक बार फिर से तापमान बढ़ने का अनुमान है।

उत्तर प्रदेश में पिछले तीन दिनों से मौसम सुहाना बना हुआ है। पहाड़ों से आ रही तेज रफ्तार उत्तरी पछुआ हवाओं की वजह से प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में बीते 48 घंटों में पारा चार से छह डिग्री सेल्सियस नीचे आ गया। बृहस्पतिवार को पछुआ की रफ्तार मद्धिम हुई और यूपी में मौसम ने कर-वट लेना शुरू कर दिया है। आने वाले दो दिनों में प्रदेश में मौसम पूरी तरह से बदल जाएगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार से पछुआ की रफ्तार एकदम से थम जाएगी और इसके बाद दिन के तापमान में तेजी से बढ़त देखने को मिलेगी। कहा कि अगले तीन दिनों में, दिन के तापमान में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस का उछाल देखने को मिलेगा। हालांकि रात में हल्की ठंड अभी जारी रहने वाली है।

बृहस्पतिवार को 31.7 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ झांसी प्रदेश में सबसे गर्म रहा। वहीं 9.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ नजीबाबाद सबसे ठंडा रहा।

बीते आठ साल में आठ गुना बढ़ा डिजिटल लेनदेन

नीति आयोग और आरबीआई की रिपोर्ट से सामने आए आंकड़े

लखनऊ। पछले आठ वर्ष में प्रदेश में डिजिटल ट्रांजेक्शन आठ गुना से ज्यादा हो गया है। प्रदेश ने डिजिटल ट्रांजेक्शन के मामले में देश में पहला स्थान हासिल किया है।

प्रदेश ने सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डिजिटल क्रांति और आर्थिक प्रगति के क्षेत्र में नया कीर्तिमान बनाया है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) से लेकर डिजिटल लेनदेन और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। नीति आयोग ने जहां यूपी को फ्रंट रनर का दर्जा दिया है, वहीं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024-25 में राज्य की कर हिस्सेदारी 11.6% रही जो महाराष्ट्र के बाद देश में सर्वाधिक है। पिछले आठ वर्ष में प्रदेश में डिजिटल ट्रांजेक्शन आठ गुना से ज्यादा हो गया है। प्रदेश ने डिजिटल ट्रांजेक्शन के मामले में देश में पहला स्थान हासिल किया है। वहीं, जीएसडीपी में दोगुने से ज्यादा वृद्धि हुई है। प्रदेश में 2017-18 में 122.84 करोड़ के डिजिटल लेनदेन हुए थे। दिसंबर 2024 तक

यह आंकड़ा 1024.41 करोड़ रुपये पहुंच गया। इसमें यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का भी योगदान रहा। डिजिटल बैंकिंग की आसान पहुंच, गांवों तक इंटरनेट की उपलब्धता और वित्तीय जागरूकता ने इस प्रगति को और निखारा।

डीबीटी से बढ़ी पारदर्शिता

डीबीटी से राज्य सरकार ने 11 विभागों की 207 योजनाओं के तहत 9.08 करोड़ से अधिक लोगों के खातों में 111637 करोड़ का भुगतान किया है। इसमें 113 केंद्रीय और 94 राज्य योजनाएं शामिल हैं। इस प्रणाली से पारदर्शिता बढ़ी है और पूर्व की व्यवस्था में विभिन्न चैनलों के माध्यम से रकम पहुंचाने में दिए जाने वाले कमीशन के तौर पर 10 हजार करोड़ की बचत भी हुई है।

इस तरह बढ़ी जीएसडीपी

रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 1950 से 2017 तक यूपी की जीएसडीपी महज 12.75 लाख करोड़ तक पहुंची थी, लेकिन बीते आठ वर्षों में यह आंकड़ा दोगुने से अधिक होकर 2024-25 में 27.51 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। जीडीपी में 9.2% हिस्सेदारी के साथ यूपी अब देश का दूसरा सबसे बड़ा आर्थिक योगदानकर्ता बन गया है। 2023-24 में जहां देश की जीडीपी वृद्धि दर 9.6% रही, वहीं यूपी की 11.6% रही।

नीति आयोग ने बताया फ्रंट रन

नीति आयोग की रिपोर्ट में यूपी को राजकोषीय स्थिति के मामले में फ्रंट रनर बताया गया है। पूंजीगत व्यय में भी सुधार हुआ है, जो कुल व्यय का 14.8% से बढ़कर 19.3% हो गया। यह देश के प्रमुख राज्यों के औसत से अधिक है। आरबीआई की 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार, यूपी की स्वयं के कर से प्राप्ति का अनुपात 10% रहा, जो राष्ट्रीय औसत 7.2% से अधिक है। यह राज्य की आर्थिक नीतियों की मजबूती को दशार्ता है।

नवनियुक्त झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम ने कार्यकत्ताओं में भरा जोश

हाजी समाद अली एवं हरिवंश चौबे व श्याम यादव भी रहे मौजूद

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ झामुमो कमिटी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम की अध्यक्षता में पहली बैठक पाकुड़ स्थित लड्डू बाबू आम बागान में गुरुवार को पूर्व निर्धारित समय अवधि में ही आयोजित हुई। जिसमें पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम यादव, उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे, उपाध्यक्ष हाजी समाद अल, पूर्व जिला सचिव सुलेमान बास्की, जिला परिषद अध्यक्ष जुली ख्रिष्टमणी हेम्ब्रम अन्य ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया। बैठक में झामुमो के पंचायत/प्रखण्ड स्तरीय कमिटी से लेकर जिला स्तरीय नवगठित कमिटी के नवनियुक्त अध्यक्ष, सचिव, सदस्य को फुल माला पहनाकर उनकी जोरदार तरीके से स्वागत किया गया। वही जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम, पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम यादव, उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे, उपाध्यक्ष हाजी समाद अली ने झामुमो के सभी प्रकोष्ठ के नवनियुक्त अध्यक्ष, सचिव व सदस्य को ताकीद करते हुए कहा कि पार्टी हित में संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करे। साथ ही आपके माध्यम से और भी लोग झामुमो का सदस्यता ग्रहण करे, जिसके लिए भागीदारी सुनिश्चित करे। ताकि पंचायत स्तरीय कमिटी को बल मिले और फिर प्रखण्ड/ जिला कमिटी की मजबूती के साथ केन्द्रीय कमिटी की मजबूती सुनिश्चित रहे। बैठक में

कई अहम बिंदुओं पर विशेष रूप से चचाएं की गई। आपको बता दे बैठक से पहले पूर्व जिला समिति के पदाधिकारियों द्वारा जिले के सभी पंचायत समिति/ प्रखण्ड समिति/ नगर समिति के पदाधिकारियों को माला पहनाकर सम्मानित किया। वही सभी प्रखण्डो के नव गठित प्रखण्ड / नगर समिति के पदाधिकारियों द्वारा जिले के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम, जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली, जिला उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे, जिला सचिव माईकिल मुर्मू व जिला कोषाध्यक्ष बाबुधन मुर्मू को माला पहनाकर व बुके देकर सम्मानित किया। बैठक में उपस्थित जिले भर के कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम ने सर्वप्रथम सभी नवगठित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए सभी पंचायत समिति/ प्रखण्ड समिति / नगर समिति के पदाधिकारियों को एक सप्ताह के अन्दर सभी समितियों का पूर्ण गठन करते हुए उसकी सूची जिला कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया। कहा कार्यकर्त्ता किसी भी पार्टी का रीढ़ होता है, ऐसे में संगठन को मजबूती प्रदान करने हेतु सभी की भागीदारी अहम है। वही जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली ने अपने सम्बोधन में कहा कि सभी प्रखण्ड के नव गठित पदाधिकारी अपने- अपने क्षेत्र के कार्यकताओं से सुमधुर सम्बन्ध बनाते हुए पार्टी को मजबूत करने की दिशा में कार्य करे। वही पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम यादव ने कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपको जो भी जिम्मेदारी पार्टी की ओर से मिले, उसे पूरी ईमानदारी के साथ निभाये व पार्टी हित मे लगातार कार्य करते रहे। बैठक में मंच का संचालन उपाध्यक्ष हाजी समाद अली ने किया। मौके पर जिला उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे, जिला सचिव माईकिल मुर्मू, जिला कोषाध्यक्ष बाबुधन मुर्मू, केन्द्रीय सदस्य निशा शबनम हांसदा, केन्द्रीय सदस्य मिथिलेश घोष, पूर्व जिला सचिव सुलेमान बास्की, पूर्व महिला जिलाध्यक्ष जोसेफिना हेम्ब्रम, पूर्व युवा जिलाध्यक्ष सुनील टुडू, नगर अध्यक्ष मुकेश सिंह, सचिव नूर आलम, पाकुड़ प्रखंड अध्यक्ष मुस्लेउद्दीन शेख, सचिव राजेश सरकार, हिरणपुर प्रखंड अध्यक्ष इसहाक अंसारी, सचिव सरकार टुडू, लिट्टीपाड़ा प्रखंड अध्यक्ष प्रसाद हांसदा, सचिव जावेद आलम, अमड़ापाड़ा प्रखण्ड अध्यक्ष श्यामलाल हांसदा, सचिव जहीरुद्दीन मियां, महेशपुर प्रखण्ड अध्यक्ष अब्दुल उदूद, पाकुड़िया प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा, सचिव मैनुद्दीन अंसारी, उमर फारूक, मुस्लेउद्दीन अंसारी, अब्दुल गनी, नसीम अहमद, मैनुद्दीन अंसारी, लाल मोहम्मद, एखलाकुर अंसारी, जहूर आलम, तनवीर आलम, पिंटू गुप्ता, रंजन साहा, आदित्या तिवारी, ईमरान अंसारी, अली हुसैन अंसारी, नीरज मड़ैया, मनोज चौबे, आलमगीर आलम, सुशीला देवी, अन्ना मुर्मू, अनिता मुर्मू, मुसर्रफ हुसैन, गाजी सलाउद्दीन, गैब्रियल हेम्ब्रम, नाजिर सोरेन, रमेश मुर्मू, चारलेश मरांडी, अखलाक अंसारी, राजू सिंह, आफताब आलम सहित नवगठित सभी पंचायत समिति प्रखण्ड समिति व नगर समिति के पदाधिकारी व पूर्व के समिति के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

एसडीपीआई दफ्तर में ईडी की दबिश, खंगाला कागजात

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ में ईडी की दबिश की आंशका शायद दहशत फैला सकता है। महज छः महीने के अन्तराल अवधि में ही अलग-अलग वृतांत को ले पाकुड़ में ईडी की दबिश कई दफा हो चुकी है। जो अखबारों के पन्नों में सुर्खियां बटोरने की आलम है। वही गुरुवार को पाकुड़ स्थित सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के दफ्तर पर ईडी रेड पर हरकंप मच गया। लोग तरह- तरह की आंशका जता रहे थे कि आखिर ऐसी कौन-सी वजह रही होगी, जिसे लेकर पाकुड़ एसडीपीआई दफ्तर पर ईडी की दबिश हुई। गुरुवार की सुबह करीब 11:00 बजे ईडी की टीम एसडीपीआई जिला कार्यालय बल्लभपुर, पाकुड़ पहुंच कर छापेमारी शुरू कर दी। टीम में कई अधिकारी शामिल थे। वही टीम के साथ सुरक्षा जवान भी मौजूद थे। जिस वक्त ईडी की टीम पार्टी कार्यालय पहुंची, उस वक्त कार्यालय का शटर बंद था। करीब आधा घंटे बाद कार्यालय का शटर खोला गया। अचानक से उक्त

स्थल पर सुरक्षा जवानों की तैनाती को देखते हुए लोग भौंचक्का रह गये। तब तक खबर फैल चुकी थी कि ईडी की टीम ने एसडीपीआई कार्यालय में छापामारी कर रही है। जिस कारण सुरक्षा जवान की तैनाती की गई है। पदाधिकारीयों ने कार्यालय के अन्दर मौजूद दस्तावेज को खंगालना शुरू किया। कई घंटे तक पदाधिकारीयों ने कार्यालय में मौजूद दस्तावेजों को खंगालते रहे। सूत्रों की जानकारी के अनुसार ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम के फैजी को बीते मंगलवार को ही गिरफ्तार किया था। जिसकी खबर मीडिया में आई थी। मीडिया में आई खबरों की जानकारी के अनुसार ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके फैजी को केरल के कोच्चि शहर से दिल्ली पहुंचने पर पूछताछ के बाद इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया था। राष्ट्रीय अध्यक्ष की गिरफ्तारी के बाद बुधवार को पाकुड़ में एसडीपीआई के स्थानीय नेताओं एवं कार्यकताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया था। सूत्रों की जानकारी के अनुसार पाकुड़ में एसडीपीआई पार्टी कार्यालय में ईडी की छापेमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष की गिरफ्तारी से जुड़ा हुआ है। समाचार लिखे जाने तक ईडी की कारवाई जारी था।

फूड लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन कैंप का हुआ आयोजन

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ जिला के सदर अस्पताल परिसर स्थित खाद्य सुरक्षा कार्यालय में गुरुवार को फूड लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में सिविल सर्जन डॉक्टर मंटू कुमार टेकरीवाल एवं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी धनेश्वर हेंब्रम मौजूद थे। शिविर में 18 रजिस्ट्रेशन जारी किया गया। यह शिविर 7 मार्च 2025 को भी आयोजित किया जायेगा। विदित है कि खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत खाने पीने की सामग्री बेचने वाले यथा होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, रिटेलर, डिस्ट्रीब्यूटर, होलसेलर, बेकरी दुकान, किराना दुकान, फल सब्जी विक्रेता, ठेला- खोमचा, स्ट्रीट फूड वेंडर्स ईत्यादि को खाद्य अनुज्ञप्ति या पंजीकरण कराना अनिवार्य है। बताया गया की जांच में वैध अनुज्ञप्ति या पंजीकरण नहीं पाए जाने पर 10 लाख तक का अर्थदंड लगाया जा सकता है। फूड लाइसेंस रजिस्ट्रेशन बनवाने के लिए आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, बिजली बिल या रेंट एग्रीमेंट आवश्यक है। साथ ही मीट एवं चिकन दुकान के लिए पंचायत या नगर परिषद एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र आवश्यक है।

खाद्य कारोबार से जुड़े व्यापारियों को सिविल सर्जन ने दिया फोस्टैक प्रशिक्षण

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ सोनाजोड़ी स्थित सिविल सर्जन सभागार में एक दिवसीय फोस्टैक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 58 खाद्य कारोबारी ने भाग लिया। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए सिविल सर्जन डॉक्टर मंटू कुमार टेकरीवाल ने खाद्य करोबारियों का स्वागत किया एवं इसकी महत्ता पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि होटल, रेस्टोरेंट में भोजन बनाते समय स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। खाद्य पदार्थ तैयार करते समय एप्रोन, टोपी, मास्क आदि का

उपयोग करना चाहिए तथा मिठाई दुकानदारों को खाद्य रंग सिमित मात्रा में करना चाहिए। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि खाद्य प्रतिष्ठानों में हाइजीन रेटिंग किया जाना है, फोस्टेक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर खाद्य कारोबारी द्वारा खाद्य सुरक्षा के मापदंडों को पूरा करने में सहुलियत होगी, ताकि हाइजीन रेटिंग में खाद्य प्रतिष्ठान को अच्छा रेटिंग मिल सके। तले भुने हुए गर्म खाद्य पदार्थ जैसे समोसे पकोड़े जलेबी कचरी बड़ा आदि को अखबार प्रिंटेड पेपर एवं पॉलीथिन में नहीं देना चाहिए। अरोमा शिक्षा के मास्टर ट्रेनर विवेक कुमार पाठक के द्वारा बताया गया कि खाद्य पदार्थों को सुव्यवस्थित रखना, समय पर हाथ धोने, कीटों से बचाव, कच्चा एवं पका भोजन को अलग-अलग रखने तथा कचरे का निपटान के तरीका बताया। साथ ही खतरों से भोजन को बचाने के तरीके, वेज- नॉनवेज लोगों और खाद्य सुरक्षा के नए नियमों से भी अवगत कराया गया। आपको बता दे फोस्टैक प्रशिक्षण, खाद्य सुरक्षा से जुड़ा प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम है। प्रशिक्षण के जरिए खाद्य सुरक्षा से जुड़े नियमों और मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाता है।

प्रतिबंधित दवा एवं नशीली दवा की बिक्री नहीं होनी चाहिए- डीसी

एनपीटी ब्यूरो, पाकुड़ (झा०खं०), गुरुवार को उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी औषधि विक्रेताओं के साथ बैठक की। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि फर्जी अवैध रूप से मेडिकल स्टोर नहीं चलने चाहिए। जितने भी दवा का खरीदारी किया गया है पंजी से मिलना चाहिए। साथ ही कहा कि किसी भी मेडिकल स्टोर पर नकली दवाओं की विक्री न हो। उपायुक्त ने जिले के सभी मेडिकल दुकानों में सीसीटीवी लगाने का निर्देश दिया। किसी भी प्रतिबंधित दवा एवं नशीली दवा की बिक्री नहीं होनी चाहिए। सभी दवा दुकानों में एक्सपायरी दवा नहीं रहने चाहिए। रात्रि में शहर में रोस्टर के अनुसार दवा दुकान खोले जाएंगे। कोडिन युक्त कफ सिरप समेत अन्य दवाइयां जो नशे के रूप में दुरुपयोग होने वाली एनडीपीएस दवाइयों पर रोक लगाने के उद्देश्य से उनके विक्रय को नियंत्रित करने का निर्देश सभी दवा दुकानदारों को दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री महेश कुमार संथालिया, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, औषधि निरीक्षक राजेश कुमार एवं औषधि विक्रेता समेत अन्य उपस्थित थे।

किसान वैज्ञानिक अंतर्मिलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), आत्मा समेति सहाय्य अनुदान योजना अन्तर्गत किसान वैज्ञानिक अंतर्मिलन कार्यक्रम का आयोजन आत्मा सभागार पाकुड़ में किया गया। कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी सह- परियोजना निदेशक,आत्मा, पाकुड़, वरिष्ठ वैज्ञानिक सह प्रधान, कृषि विज्ञान केंद्र, महेशपुर, प्रखंड कृषि पदाधिकारी लिट्टीपाड़ा, अमड़ापाड़ा, जिला के सभी प्रखंडों के एटीएम, बीटीएम एवं प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कृषि पदाधिकारी श्री मृत्युंजय कुमार ने फसल सुरक्षा कार्यक्रम योजना अन्तर्गत प्रत्यक्षण हेतु किसानों को वितरित किए जा रहे कीट में उपलब्ध विभिन्न अवयवों यथा डोलोमाइट, बोरोन, कार्बेंडाजिम, राइजोबियम, कीटनाशक, फफूंदनाशक, खरपतवार नाशक के प्रयोग के तरीके के बारे में विस्तार से किसानों को बताया गया।किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का महत्व बताते हुए मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुशंसा के अनुरूप जैविक खाद तथा उर्वरकों के उपयोग की सलाह दी गई। किसानों को आम्लिक मिट्टी सुधार योजना अंतर्गत डोलोमाइट प्राप्त कर खेत में प्रयोग की सलाह दी गई। किसान समृद्धि योजना अन्तर्गत 2 एचपी चालित सोलर पंप की जानकारी किसानों को दी गई जिसमें किसान सीएससी के माध्यम से आवेदन करके तथा 18 हजार 175 रुपया का अंशदान देकर इसे प्राप्त कर सकते हैं। किसानों को प्रति बूंद अधिक फसल योजना अंतर्गत टपक सिंचाई एवं फव्वारा सिंचाई के बागवानी एवं अन्य फसलों में महत्व की जानकारी दी गई तथा इसके माध्यम से उच्च गुणवत्ता के फसलों के उत्पादन के तकनीकों से किसानों को अवगत कराया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ० संजय कुमार* द्वारा किसानों को पशुपालन के विभिन्न आयामों जैसे सूकर पालन, बत्तख पालन, गौ पालन आदि के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही पशुओं में होने वाले प्रमुख रोगों के बारे में भी किसानों को विस्तार से जानकारी दिया गया।

डीटीओ ने विद्यालय का किया औचक निरीक्षण, प्रधानाध्यापक को लगाई फटकार

एनपीटी ब्यूरो,

लातेहार (झा०खं०), लातेहार जिला परिवहन पदाधिकारी सह- बालूमाथ प्रखंड के वरीय पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार ने गुरुवार को बालूमाथ बुनियादी विद्यालय का औचक निरीक्षण किय। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में बच्चों को मध्यान भोजन जहां तहां बैठकर खाते हुए देख भड़क गए और प्रधानाध्यापक वीरू कुमार साहू को जमकर फटकार लगाइ। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि कल से प्रत्येक दिन बच्चों की हर गतिविधि का फोटो मेरे व्हाट्सएप पर भेजेंगे। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने आवेदन देकर कहा कि विद्यालय परिसर में पांच भवन जर्जर हो गया है जिस कारण कभी भी बच्चों के साथ कोई अनहोनी हो सकती है इसलिए इसे ध्वस्त कर किया जाए। विद्यालय का मैदान उबड खाबड होने के कारण समतलीकरण कराने की मांग की। डीटीओ श्री सुरेंद्र कुमार ने बालूमाथ बीडीओ सोमा उराव एवम मनरेगा के बीपीओ मुजफ्फर कमाल एवं मनरेगा जेई बाबूलाल उरांव को तुरंत बुनियादी विद्यालय बुलाकर मनरेगा से समतलीकरण करने का निर्देश दिया ।वही जर्जर भवन को शीघ्र ध्वस्त कराने की बात कही। वही बीआरसी में पदाधिकारी को अनुपस्थित रहने पर बताया गया कि प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी लातेहार मीटिंग में गई है । बीआरपी अनुपमा एवं वीपीओ स्कूल निरीक्षण में गए है ।वहीं दुशरा बीआरपी अनिल कुमार राम को बुलाकर कहा कि जिस विद्यालय में कक्षा 1 से 10 तक की पढ़ाई होती है वहां के मध्यान भोजन एवं सारे गतिविधि का फोटो खींचकर मेरे व्हाट्सएप में भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में किसी भी तरह का लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । जिला परिवहन पदाधिकारी ने इसी परिसर में डीएमएफटी फंड से नवनिर्मित बाउंड्री निर्माण का भी जांच किया।

बालूमाथ में सरहुल पर्व की तैयारी को लेकर की बैठक

एनपीटी ब्यूरो, लातेहार (झा०खं०), लातेहार जिला के बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित दिवाकर नगर सरना भवन में सरहुल पर्व धूमधाम से मनाने को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता लालजी उरांव ने की। इस बैठक में आदिवासी समाज के अगुआ व पाहन शामिल हुए। बैठक में एक अप्रैल को सरहुल पर्व को भव्य तरीके से मनाने के लिए आवश्यक तैयारियों और व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। लालजी उरांव ने बताया कि सरहुल पर्व के दौरान परंपरागत नृत्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम और शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा सरहुल पर्व पर केंद्रित पत्रिका ₹सरना फूल₹ के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण आलेखों को एकत्रित करने और प्रकाशित करने को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। बैठक में उपस्थित लोगों ने इस पर्व को सामाजिक एकता और संस्कृति के संरक्षण का प्रतीक बताते हुए संपूर्ण आदिवासी समाज से बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। बैठक में मुख्य रूप से पडहा राजा प्रभूदयाल उरांव, प्रदीप गंझू, तेतर उरांव, लालजी उरांव, रामलाल भगत, दिंगाम्वर टाना भगत, मुखिया नरेश उरांव, रीना उरांव, ऐश्वर्य उरांव, शंकर उरांव, बाबूलाल गंझू, कामेश्वर उरांव, विरवल उरांव, कपिल उरांव, उर्मिला उरांव, रामवृक्ष उरांव, दुर्गा उरांव, रूपा उरांव समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जिला समाज कल्याण कार्यालय एवं बाल संरक्षण इकाई के कार्यों की हुई समीक्षा बैठक

एनपीटी ब्यूरो

लातेहार (झा०खं०), लातेहार उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण कार्यालय एवं बाल संरक्षण इकाई के कार्यों की समीक्षा बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई। उपायुक्त ने बैठक में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आंगनबाड़ी केंद्र भवन की भौतिक स्थिति, पोषण ट्रैकर ऐप, आंगनबाड़ी केंद्रों में टी.एच.आर. वितरण की स्थिति, आंगनबाड़ी सेविका/ सहायिका की रिक्ति की स्थिति, विधवा पुनर्विवाह प्रोत्साहन योजना की स्थिति, आंगनबाड़ी सेविका/सहायिकाओं के मानदेय/अतिरिक्त मानदेय भुगतान की स्थिति, पोषाहार मद में प्राप्त आवंटन एवं व्यय की स्थिति, मिशन वात्सल्य योजना के कार्य प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया। बैठक में उपायुक्त ने सभी सीडीपीओ को निर्देशित किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि सभी आंगनबाड़ी केंद्र प्रतिदिन सुचारू रूप से संचालित हों। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दिन केंद्रों की जियो-टैग की गई तस्वीरें संबंधित ग्रुप में भेजी जाएं, जिससे नियमित निगरानी संभव हो सके। इसके साथ ही सेविका एवं सहायिका के रोस्टर तैयार करने और रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप अगली बैठक से पूव प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। समर अभियान की समीक्षा के क्रम में समर अभियान के तहत कुपोषण एवं एनीमिया से ग्रसित बच्चों, युवतियों, गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उपचार हेतु एमटीसी भेजने एवं आंकड़ों को सही तरीके से ऐप में प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया। पोषण माह अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों पर की जाने वाली गतिविधियों का शतप्रतिशत डैशबोर्ड पर इण्ट्री करने का निर्देश दिया गया। साथ ही एएनसी बढ़ोतरी के लिए सभी महिला पर्यवेक्षिका को क्षेत्र भ्रमण कर एएनसी शत-प्रतिशत करने का निर्देश दिया गया। समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री सुकन्या योजना का लाभ लक्ष्य के अनुरूप लाभुकों को देने का निर्देश जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को दिया गया।

एस डी जी आई ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा गाँव दुहरी (हापुड़) में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

नेशनल प्रेंस टाईम्स ब्यूरो

एस डी जी आई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के तत्वाधान में सुंदरदीप कॉलेज ऑफ लॉ द्वारा गाँव दुहरी जिला- हापुड़ में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक करना था

इस कार्यक्रम का शुभारम्भ सुंदरदीप कॉलेज ऑफ लॉ की संकायाध्यक्ष डॉ. उर्मिला जाटव और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया

इस शिविर में गाँव दुहरी के गणमान्य व्यक्ति लेखराज सिंह तोमर, अरुण कुमार, [सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक दिल्ली पुलिस] श्री राम अवतार सिंह (रिटायर्ड मेजर सेना पुलिस), जगत सिंह तोमर (रिटायर्ड हेडमास्टर), प्रेम पाल सिंह (सदस्य किसान संघ हापुड़) द्वारा विचार व्यक्त किये गए। शिविर के दौरान उन्होंने कहा कि विधिक साक्षरता का महत्व बढ़ता जा रहा है, क्योंकि आजकल लोग अपने कानूनी अधिकारों के बारे में सही जानकारी न होने के कारण समस्याओं का सामना करते हैं। सभी नेअपने कार्यकाल के अंतर्गत हल किये गए कानूनी विवादों, उनकी उचित कानूनी प्रक्रिया एवं अनुभवों के बारे में ग्रामीणों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी

इस शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न कानूनी पहलुओं जैसे कि महिला अधिकार, श्रम अधिकार, संपत्ति के अधिकार, और कर्ज से संबंधित कानूनी सहायता के बारे में जानकारी दी गई। शिविर के दौरान, कानूनी विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न मामलों पर चर्चा की गई, जिनमें पारिवारिक विवाद, दहेज प्रथा, और जमीनी विवाद प्रमुख थे। इसके अलावा, कानूनी मदद प्राप्त करने के उपाय और फ्री कानूनी सहायता के बारे में भी बताया गया।

इस शिविर के समापन पर सुंदरदीप कॉलेज ऑफ लॉ की संकायाध्यक्ष डॉ. उर्मिला जाटव ने कहा कि सुंदरदीप कॉलेज ऑफ लॉ ग्रामीणों को कानूनी मामलों में सहायता प्रदान करने के लिए हमेशा उपलब्ध रहेगा यदि किसी भी व्यक्ति को किसी कानूनी विषय पर कोई जानकारी चाहिए तो किसी भी कार्यदिवस में कॉलेज के निशुल्क विधिक सहायता केंद्र से विधिक सहायता प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि और अधिक लोग अपनी कानूनी जानकारी को सुदृढ़ कर सकें।

इस अवसर पर सुन्दर दीप ग्रुप के चेयरमैन श्री महेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष अखिल अग्रवाल एवं कुलपति (प्रो.) डॉ. प्रसनजीत कुमार ने इस विधिक साक्षरता शिविर के आयोजन को सराहनीय बताया।

कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षकगण असिस्टेंट प्रोफेसर शिप्रा, आकाश सैनी, सागर सक्सेना, नवम मेहरोत्रा, देवेश रावत और विधि संकाय के छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। इस शिविर में ग्राम पंचायत, के अधिकारीगण कानूनी विशेषज्ञ श्री वीरेंद्र जाटव (वरिष्ठ अधिवक्ता सत्र न्यायालय गाज़ियाबाद), और समाजसेवी शामिल हुए। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों ने इसे बहुत लाभकारी और उपयोगी पाया और आयोजकों का धन्यवाद किया।

किफायतुल्लाह शाह को अतिरिक्त प्रभार में एड मावर नियुक्त किया गया

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

हंदवाड़ा-शिक्षा विभाग ने इल्तरर कलमाबाद के प्रिंसिपल किफायतुल्लाह शाह को क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी (एड) मावर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। इस निर्णय का उद्देश्य प्रशासनिक कामकाज को सुचारू बनाना और क्षेत्र में शैक्षिक ढांचे को मजबूत करना है।

शिक्षा क्षेत्र में अपने समर्पण और अनुभव के लिए जाने जाने वाले श्री शाह से BHSS कलमाबाद में अपनी जिम्मेदारियों को जारी रखते हुए ेएड मावर के शैक्षणिक और प्रशासनिक मामलों की देखरेख करने की उम्मीद है। उनके नेतृत्व में सकारात्मक बदलाव आने और क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता को और बढ़ाने की उम्मीद है।

शिक्षा विभाग और स्थानीय हितधारकों ने इस निर्णय का स्वागत किया है, अतिरिक्त जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने की उनकी क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया है।

शिक्षा मंत्रालय मनोज सिन्हा उमर अब्दुल्ला जिला प्रशासन कुपवाड़ा स्कूल शिक्षा निदेशालय कश्मीर BHSS कलमाबाद।

कटर मशीन की सहायता से काट रहे गेहूं

नेशनल प्रेंस टाईम्स ब्यूरो

प्रतापगढ़,अरनोद - सहित आसपास के किसान अब गेहूं की कटाई के लिए मशीन के प्रयोग को प्राथमिकता दे रहे है क्षेत्र के अधिकतर खेतों में फसल की कटाई का काम कटर मशीन से कराया जा रहा है किसानों को कहना है कि मशीन के प्रयोग से श्रमिकों की उपलब्धता की समस्या का समाधान तो हुआ ही है। इसके साथ ही कम समय व कम खर्च में उनका काम आसानी से हो रहा है। खेतों में गेहू की कटाई का काम शुरू हो गया है। इस बार खेतों में गेहूं की कटाई करते श्रमिक कम ही दिख रहे हैं। गेहूं की कटाई का अधिकतर काम मशीन के माध्यम से किया जा रहा है। श्रमिकों के अभाव व महंगे श्रमिक होने से किसानों के सामने श्रमिक एकत्रित करने की समस्या उधर, अत्याधुनिक तकनीक की ग्रेन कटर मशीन एक घंटे मे एक बीघा फसल की कटाई करने के साथ-साथ उनके बंडल भी बना रही है। किसानों को मशीन से फसल की कटाई का काम समय और रुपए दोनों मामलो में किफायती है। क्षेत्र के किसान का कहना है फसल की कटाई के लिए उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ती थी। आजकल के दिनों में वैसे भी गेहू काटने वाले श्रमिक मिलना काफी मुश्किल हो जाता है। श्रमिकों से फसल को कटवाकर थ्रेशर तक पहुंचाने के बीच काफी समय लग जाता था। मौसम के हर रोज बदलते मिजाज के बीच फसल के नुकसान की आशंका भी बनी हुई है इस संबंध में यहां के किसान का कहना है कि मशीन दो तीन दिन का काम कुछ घंटो में ही पूरा कर देती है। उधर, मशीन संचालक सुनील मीणा का कहना है उन्हें फसल की कटाई के कई किसान उनसे संपर्क कर रहे है। क्षेत्र में मशीन से गेहूं कटाई की डिमांड ज्यादा हो रही है।

इन्नोवेटिव इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ में नैशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन

नेशनल प्रेंस टाईम्स ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा, झ इन्नोवेटिव इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ में आज नैशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया। इस प्रतिष्ठित विधिक प्रतिस्पर्धा के उद्घाटन समारोह में राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ के कुलपति प्रो. अमर पाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रेरणादायक अभिभाषण में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक सफल अधिवक्ता बनने के लिए सशक्त ड्राफ्टिंग कौशल और प्रभावी क्रॉस एग्जामिनेशन अनिवार्य हैं।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की अकादमिक निदेशक, डॉ. तितिक्षा शर्मा ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मृत्युंजय पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि प्रतियोगिता में हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण है प्रतिभागियों की तार्किक शक्ति, धैर्य और संयमित उत्तर देने की क्षमता विकसित करना। उन्होंने छात्रों को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर ग्रुप डायरेक्टर श्री देवाशी गौर और चेयरमैन श्री के. आर. शर्मा भी उपस्थित रहे। महाविद्यालय के नामांकन निदेशक डॉ. श्रीनिवास मिश्रा ने कहा कि यह प्रतियोगिता दिल्ली-एनसीआर के विधि विद्यार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर साबित होगी। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ उनकी बौद्धिक क्षमता को भी विकसित करते हैं।

देशभर के विधि महाविद्यालयों के छात्रों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

प्रतियोगिता के दौरान देशभर के विभिन्न विधि महाविद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी कानूनी दृष्टिकोण, तार्किक तर्क-वितर्क और मूक ट्रायल की प्रभावशाली प्रस्तुति से न्यायाधीशों को प्रभावित किया। न्यायिक प्रक्रिया को गहराई से समझने का यह अवसर प्रतिभागियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा।

प्रतियोगिता ने दिया व्यावहारिक ज्ञान और उज्ज्वल भविष्य की दिशा

इन्नोवेटिव इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ द्वारा आयोजित इस नैशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता ने छात्रों को न केवल अपनी कानूनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने का सुनहरा अवसर दिया, बल्कि उन्हें न्यायिक प्रक्रिया की गहरी समझ विकसित करने और भविष्य में एक कुशल अधिवक्ता बनने की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी।

एमआईटी में नारायणी अवार्ड 2025 का भव्य आयोजन, 28 उत्कृष्ट महिलाओं का सम्मान

नारी के बिना सृष्टि अधूरीः कपिल देव अग्रवाल

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मेरठ। परतापुर बाईपास स्थित मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पर्यावरण एवं स्वच्छता क्लब और मेरठ उद्यमी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में नारायणी अवार्ड 2025 का भव्य आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस माह के अवसर पर महिलाओं के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम में चिकित्सा, शिक्षा, उद्यमिता, पत्रकारिता और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 28 महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास कपिल देव अग्रवाल ने किया। उनके साथ लघु उद्योग प्रकोष्ठ भाजपा के प्रदेश संयोजक कुशपुरी, इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज कुमार गुप्ता, पर्यावरण एवं स्वच्छता क्लब के निदेशक आयुष पीयूष गोयल और एमआईटी के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा, नारी के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती। भारतीय संस्कृति में महिलाओं को विशेष स्थान प्राप्त है। धर्म ग्रंथों में नारी को शक्ति, समर्पण और त्याग का स्वरूप माना गया है। एक पुरुष को अपने जीवन के हर पड़ाव पर एक महिला की जरूरत होती है। महिलाओं का सम्मान केवल एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन किया जाना चाहिए।

पर्यावरण एवं स्वच्छता क्लब के निदेशक आयुष पीयूष गोयल ने कहा कि ₹नारी सृष्टि का अभिन्न अंग है और प्रत्येक महिला में दुर्गा का रूप नारायणी विराजमान है।₹

मेरठ उद्यमी फाउंडेशन की सीईओ डॉ. माधुरी गुप्ता ने बताया कि उनका संगठन एग्रीकल्चर-बेस्ड स्टार्टअप्स को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा,अब तक 50 से अधिक महिलाओं को सफल स्टार्टअप शुरू करने में मदद की गई है। हमारा लक्ष्य 1 लाख से अधिक महिलाओं को इस अभियान से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 28 महिलाओं को नारायणी अवार्ड 2025 से नवाजा गया। सम्मानित होने वाली महिलाओं में श्वेता बत्रा, निदेशक फोर्टे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी,रचना पंडित निदेशक ब्लू हेवेन्स मेकअप स्टूडियो एंड अकादमी,डॉ. रीटा गुप्ता, प्रिंसिपल आर्मी पब्लिक स्कूल,

प्रो. रंजू नारंग प्रिंसिपल शालीग्राम शर्मा स्मारक पीजी कॉलेज,डॉ. विभा गोयल निदेशक ब्रेंज ग्रुप ऑफ स्कूल,

गुरप्रीत गौर ज्वेलरी डिजाइनर,गरिमा मित्तल निदेशक द केक फैक्ट्री,डॉ अंजू रस्तोगी निदेशक नीलकमल हॉस्पिटल,गरिमा अग्रवाल चार्टर्ड अकाउंटेंट,डॉ प्रियंका गर्ग न्यूटीमा हॉस्पिटल,डॉ. नीरा तोमर प्रिंसिपल मल्लू सिंह इंटर कॉलेज,अर्चना जौहरी निदेशक लावनिया बुटीक,डॉ मीतू नेहरा एनेस्थेटिस्ट एवं कैंसर सर्वाइवर,डॉ कशिका जैन क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट,डॉ तुष्यता अरोरा डमेटीलॉजिस्ट,बरखा वत्स निदेशक सरवानी क्रिएशन,सीमा हाडा निदेशक त्रिका चाय,नीतू सिंह निदेशक जोकोटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स,डॉ पूनम रानी वैद्य जी ऑर्गेनिक मशरूम फार्मिंग एंड फूड प्रोसेसिंग,नीरू तोमर निदेशक नीरू डेलिकेसी,बबीता शर्मा निदेशक रवीर प्रोडक्ट्स एलएलपी,आंचल सक्सेना को-फाउंडर मैड ओवर मिलेट्स,सुनीता शर्मा संस्थापक जिज्ञासा एंटरप्राइजेज (ब्रांड कुटुंब),प्रेरणा माहेश्वरी मार्केटिंग आर्म कागज के फूल,रितिका सिंघल फाउंडर फूड फॉर फूडीज,आकांक्षा जे. शारदा को-फाउंडर मकाया एमएमडब्लू,सीए मिली रस्तोगी कृष्णा कैप्स,

सोनबीरी आराध्या महिला सहायता समूह शामिल हैं।

इस आयोजन में मेरठ उद्यमी फाउंडेशन की सीईओ डॉ. माधुरी गुप्ता,निदेशक डॉ. के.एल.ए. खान, प्रिंसिपल डॉ. हिमांशु शर्मा, मीडिया हेड अजय चौधरी, इन्क्यूबेशन मैनेजर अदनान रेहमान और ई सेल का विशेष योगदान रहा। नारायणी अवार्ड 2025 ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी काबिलियत से समाज को आगे बढ़ा रही हैं। इस आयोजन ने महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देने का संकल्प लिया।

अग्नि शमन कार्यालय ने सिविल सोसाइटी के मुखिया के घर महाकुंभ का जल पहुंचाया

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। गुरुवार को अग्निशमन कार्यालय के फायरमैन विनीत धामा ने चीफ फायर ऑफिसर राहुल पॉल के आदेश पर सिविल सोसाइटी के मुखिया कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी के निवास स्थान 133, बी मॉडल टाउन ईस्ट , मुख्यालय फ्लेट ओनर फेडरेशन पर जाकर महाकुंभ का जल पहुंचाया। उन्होने कहा कि किसी भी योजना की सफलता के लिए यह आवश्यक है की योजना में उन्हें अवश्य शामिल किया जाये जिनके लिए योजना बनाई गई है। महाकुंभ के जल को घर-घर वितरण करने की योजना बनाई गई है। इसके अंतर्गत हम विभिन्न पुलिस थानों मे महाकुंभ का जल पहुंचा रहे हैं। लोग अपने निकटतम थाने से जाकर महाकुंभ का जल ले सकते हैं। इस वितरण के बीच सिविल सोसाइटी के मुखिया के घर स्वयं जाकर महाकुंभ का जल पहुंचाना इस बात का प्रतीक माना जाना चाहिए कि अग्नि शमन कार्यालय शहर के निवासियों के प्रति संवेदनशील है। कर्नल टीपी त्यागी ने अग्निशमन विभाग का आभार जताया है।

'नेशनल प्रेस टाइम्स'
दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।
विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए संपर्क करें।
सुखपाल सिंह (संपादक)
प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक)
8448184482
एस.के. राणा (सह-संपादक)
8938805409
पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद
फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107
nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com
नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।
एडवोकेट आदर्श कुमार राय
(इलाहाबाद हाईकोर्ट)
09415624173

होली के त्योहार को लेकर सीएलजी बैठक का हुआ आयोजन

नेशनल प्रेंस टाईम्स ब्यूरो

अरनोद- स्थानीय थाना परिसर में आगामी त्योहारों को लेकर डिप्टी चंद्रशेखर थाना अधिकारी हजारी लाल मीणा,तहसीलदार जगदीश चंद्र बामनिया की उपस्थिति में सी एल जी बैठक का आयोजन हुआ बैठक में डिप्टी ने सभी सी एल जी सदस्यों को विशेष कर के आने वाले त्यौहार शांति पूर्वक मनाए जाते कोई अन होनी नहीं हो असामाजिक तत्व का भी ध्यान रखे आम लोक फेक कॉल से सावधान रहे इसी कोई बात हो तो पुलिस को सूचना देसदस्यों ने विशेष करके कहा कि बाजार में आए दिन जाम लगता हे जिससे आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता,विशेष करके दुकानदार अपनी दुकान का सामान जरूरत से ज्यादा बाहर रखते हे जिससे भी जाम लगता,थाना अधिकारी ने कहा कि व्यापारियों की बैठक लेकर अवगत कराया जाएगा फिर भी नहीं मानते हे तो उन पर कानूनी कार्यवाही की जाएगीऔर होली के दिन दारू पी के गाड़ी नहीं चलाए नहीं तो कार्यवाही की जाएगी इस अवसर पर कई सदस्य मौजूद रहे

स्वामी' प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं **बैकुंठ मीडिया, 47 बेसमेंट, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद** (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, **nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com** नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।